09-MAY -25 Ek Sat Buletin Rai:09-MAY -25 Ek Sat Buletin Rai.qxd 09-May-25 4:14 AM Page 1

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश एवं नई दिल्ली से एक साथ प्रकाशित दैनिक समाचार-पत्र

हमारा उद्देश्य सेवा समर्पण जनकल्याण

एक सत बुलेटिन

E-mail: eksatbulletin@gmail.com | रायपुर, शुक्रवार 09 मई 2025 | वर्ष-06, अंक-105 पृष्ठ-08, मूल्य- दो रुपए | Website: www.eksatbulletin.in

न्यूज ब्रीफ

भारत ने पाकिस्तान के दो फाइटर जेट स्न-16 और छस्न-17 मार गिराए

नई दिल्ली। पाकिस्तान की ओर से जम्मू से जैसलमेर तक ड्रोन और मिसाइल से हमला किया गया है। भारतीय एयर डिफेंस सिस्टम सुदर्शन ने इन हमलों को नाकाम किया है। पाकिस्तान के हमले से भारत के कई शहरों में ब्लैक आउट किया गया है। इस बीच एक बड़ी खबर यह सामने आई है कि भारतीय सुरक्षा बलों ने पाकिस्तान के अत्याधुनिक विमान स्न-16 और छस्न-17 को मार गिराया है। इसके अलावा पाकिस्तान के 8 मिसाइल और दर्जनों ड्रोन को भी मार गिराया गया है। सूत्रों के हवाले से बड़ी खबर यह सामने आई है।

जानबूझकर न्यायपालिका की छवि धूमिल करने का प्रयास

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी के सांसद निशिकांत दुबे को सुप्रीम कोर्ट से कड़ी फटकार मिली है। पिछले दिनों दुबे ने यह कहते हुए विवाद खड़ा किया था। सुप्रीम कोर्ट देश को गृहयुद्ध की ओर धकेल रहा है। इस बयान के खिलाफ दायर अवमानना याचिका पर सुनवाई करते हुए न्यायमूर्ति संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति एसवी भट्ट की खंडपीठ ने सख्त टिप्पणियाँ की।की छवि को नुकसान पहुँचाने और सस्ती लोकप्रियता पाने का प्रयास बताया है।

ऑपरेशन सिंदूर कर कुछ भी गलत नहीं किया भारत ने, यूएन के अनुच्छेद 51 के तहत सही

नई दिल्ली । ऑपरेशन सिंदूर के तहत भारत ने पाकिस्तान में मौजूद आतंकी शिविरों को नेस्तानाबूद कर दिया है। पाकिस्तान के उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री इशाक डार ने भारत के हमले की कड़ी आलोचना की है। मामले में इस्लामाबाद से एक पत्र जारी हुआ है। इसमें पाकिस्तान सरकार ने कहा है कि भारतीय वायु सेना ने भारतीय हवाई क्षेत्र में रहकर बिना कारण युद्ध की कार्रवाई की है। भारत ने स्टैंड ऑफ हथियारों (जैसे मिसाइल या बम) का इस्तेमाल करके पाकिस्तान की संप्रभुता का उल्लंघन किया है।

पुतिन के तोहफे ने की भारत की रक्षा और पाकिस्तान को धूल चाट दी

नई दिल्ली । ऑपरेशन सिंदूर' के जवाब में पाकिस्तानी सेना ने एक साथ भारत के 15 शहरों की ओर मिसाइलें दागीं। लेकिन इन सभी हमलों को रूस द्वारा भारत को दिए गए एस-400 'सुदर्शन' एयर डिफेंस सिस्टम ने हवा में ही बर्बाद कर दिया। सुदर्शन का पराक्रम देख चीन भी दहल गया होगा। क्योंकि पाकिस्तान चीन का ही एयर डिफेंस सिस्टम इस्तेमाल करता है, लेकिन इस बार चीनी सिस्टम फेल हो गया। रूस की राष्ट्रपति पुतिन की ओर पीएम मोदी को दिए गए तोहफे का पहला इस्तेमाल है। इससे साफ हो गया कि भारत की सुरक्षा अभेद्य है, कोई भी इस बुरी नजर नहीं डाल सकता।

लाहौर, करांची से सियालकोट तक पहुंचे भारतीय ड्रोन....तबाही मचा वापस लौटे

नई दिल्ली । ऑपरेशन सिंदूर के बाद बौखलाए पाकिस्तान ने बीती रात भारत के 15 सैन्य ठिकानों पर हमले की नाकाम कोशिश की, वहीं भारत ने लगातार दो दिनों तक पाकिस्तान के अंदर घुसकर उसकी वायु रक्षा तंत्र की नाकामियों की कलाई खोल दी। पाकिस्तान के नौ शहरों में घुसे और वहां तबाही मचा दी।

नई बहुओं को भी मिलेंगे हर महीने 1 हजार

सरकार बोली- जिनकी नई शादियां हुईं, उन्हें भी महतारी वंदन का फायदा मिलेगा, CM का ऐलान

संवाददाता ➤ रायपुर

छत्तीसगढ़ की नई नवेली दुल्हनें यानी शादीशुदा महिलाओं को भी महतारी वंदन योजना के पैसे मिलेंगे। इन नई बहुओं को हर महीने 1 हजार रुपए सरकार देगी। दरअसल, सरकार शादीशुदा महिलाओं को 1000 रुपए देती है। जिनकी हाल फिलहाल में शादी हुई है वह इस योजना का फायदा नहीं ले पा रही। ऐसी महिलाओं के लिए योजना के फॉर्म फिर से उपलब्ध कराए जाएंगे। इसका ऐलान खुद छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने किया है।

गुरुवार को मुख्यमंत्री सुशासन तिहार के तीसरे चरण में मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले के ग्राम माथमौर पहुंचे। मुख्यमंत्री ने गांव के बीच स्थित महुआ के पेड़ के नीचे चौपाल लगाई और वहां मौजूद ग्रामीणों से सीधा संवाद किया। ष्टरूने कहा- नई बहुओं को भी जल्द महतारी वंदन योजना का लाभ मिलेगा।

राजस्व प्रकरणों के निराकरण के लिए लगेगा बंदोबस्त कैंप

कुवांरपुर में नायब तहसीलदार कार्यालय के लिए भवन निर्माण की स्वीकृति भी दी और राजस्व प्रकरणों के निराकरण के लिए बंदोबस्त कैंप आयोजित करने एसडीएम को निर्देशित किया। माथमौर में सामुदायिक भवन की भी स्वीकृति दी गई है। जनकपुर में 100 बिस्तरों वाले अस्पताल का निर्माण स्वीकृत हो चुका है, जिससे इस आदिवासी अंचल के लोगों को इलाज के लिए दूर नहीं जाना पड़ेगा।

8 राज्यों के 28 एयरपोर्ट्स 9 मई तक बंद

430 फ्लाइट्स कैंसिल; हरियाणा-पंजाब-राजस्थान में अलर्ट, स्कूल बंद, सरकारी विभागों की छुट्टियां रद्द

एजेंसी ➤ श्रीनगर/जयपुर/अमृतसर/अहमदाबाद

पाकिस्तान पर एयरस्ट्राइक के बाद बने तनाव के बीच केंद्र ने 8 राज्यों के 28 एयरपोर्ट्स 9 मई तक बंद कर दिए हैं। ये राज्य- जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, गुजरात, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश हैं। बड़े एयरपोर्ट्स में श्रीनगर, जम्मू, लेह, चंडीगढ़, जोधपुर, राजकोट, धर्मशाला, अमृतसर, भुज और जामनगर शामिल हैं। ये पाकिस्तान बॉर्डर से लगे हुए हैं। मप्र के ग्वालियर और उत्तर प्रदेश के हिंडन एयरपोर्ट के ऑपरेशन भी बंद हैं।एअर इंडिया, इंडिगो, एयर इंडिया एक्सप्रेस, स्पाइसजेट, अकासा एयर और कुछ विदेशी एयरलाइंस ने आज करीब 430 फ्लाइट्स को कैंसिल किया है। ये देश की दैनिक उड़ानों का 3त्न है। वहीं, पाकिस्तान में भी करीब 147 फ्लाइट्स कैंसिल हुईं, जो दैनिक उड़ानों का 17 प्रतिशत है। जम्मू-कश्मीर, हरियाणा, पंजाब और राजस्थान में हाई अलर्ट है। दोनों राज्यों के बॉर्डर इलाकों में स्कूल बंद कर दिए गए हैं। पुलिस, प्रशासनिक और हेल्थ विभाग के अधिकारियों की छुट्टियां रद्द कर दी गई है।

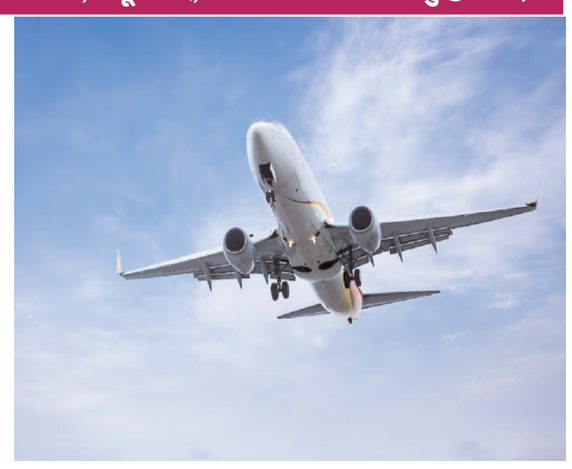

आईएमडी के अनुसार आने वाले दिनों में कई राज्यों में मौसम अस्थिर बना रहेगा

नई दिल्ली। देश के कई हिस्सों में मौसम ने करवट ले ली है। जहां एक ओर पहाड़ी राज्यों में बारिश और आंधी-तूफान का खतरा बना रहा है, वहीं मैदानी इलाकों में गर्मी अपना प्रचंड रुप दिखा रही हैं। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार आने वाले दिनों में कई राज्यों में मौसम अस्थिर बना रहेगा।राजधानी दिल्ली में इन दिनों मौसम सुहाना बना हुआ है। तापमान 24 से 36 डिग्री सेल्सियस के बीच दर्ज हो रहा है, जो सामान्य से थोड़ा कम है। 9 मई को बारिश की संभावना है जिससे लोगों को और राहत मिल सकती है।वहीं लखनऊ सहित राज्य के कई जिलों में दिन के समय भीषण गर्मी महसूस की जा रही है। आने वाले 4 दिनों में अधिकतम तापमान में 3-5 डिग्री की बढ़ोतरी हो सकती है, हालांकि बाद में इसमें गिरावट की संभावना है। राज्य में आंधी और बारिश की गतिविधियां जारी रहने की उम्मीद है।

दुनिया भर में बच्चों के खिलाफ यौन हिंसा बढ़ी

भारत में 30 प्रतिशत लड़कियां और 13 प्रतिशत लडके यौन शोषण का शिकार

एजेंसी ➤ नई दिल्ली

भारत में 2023 में 30 प्रतिशत से ज्यादा लड़कियां और 13 प्रतिशत लडके 18 साल की उम्र से पहले यौन हिंसा का शिकार हुए। द लैंसेट जर्नल की रिपोर्ट के मुताबिक, 1990 से 2023 के बीच की गई एक स्टडी में पाया गया कि दुनिया के 200 से ज्यादा देशों में बच्चों के खिलाफ यौन हिंसा के मामले बढ़ रहे हैं। इसमेंसबसे ज्यादा यौन हिंसा साउथ एशिया में होती है।

यौन हिंसा से मानसिक स्वास्थ्य पर भी बुरा असर

अमेरिका की वाशिंगटन यूनिवर्सिटी के हेल्थ मैट्रिक्स और इवैल्यूएशन इंस्टीट्यूट के रिसर्चर्स ने कहा कि सब-सहारा अफ्रीका में 18 साल से कम उम्र के लडक़ों के साथ यौन हिंसा के मामले सबसे ज्यादा हैं। यह दर जिम्बाब्वे में लगभग 8 प्रतिशत और कोट डी आइवर में 28 प्रतिशत तक पाई गई। रिपोर्ट में लिखा गया कि बच्चों के साथ यौन हिंसा एक बहुत गंभीर समस्या है। यह न सिर्फ उनके मानवाधिकारों का उल्लंघन है।

जम्मू, राजस्थान, पंजाब पर ड्रोन-मिसाइलों से हमला, स्400 ने मार गिराए; बॉर्डर पर लोग बंकरों में शिफ्ट

भारत के सुदर्शन चक्र S-400 एयर डिफेंस सिस्टम ने पाकिस्तान के हमले को कर दिया नाकाम

एजेंसी ➤ नई दिल्ली

पाकिस्तान ने लगातार दूसरे दिन गुरुवार रात को जम्मू-कश्मीर, पंजाब और राजस्थान में ड्रोन और मिसाइल से हमले किए। भारत ने जवाबी कार्रवाई करते हुए डिफेंस सिस्टम स-400 से ड्रोन्स-मिसाइल मार गिराईं।जानकारी के मुताबिक भारत के एयर डिफेंस सिस्टम ने पठानकोट में पाकिस्तान के फाइटर जेट को मार गिराया। हालांकि, सरकार की तरफ से इसकी पुष्टि नहीं हुई है।जम्मू और पठानकोट पर सुसाइड ड्रोन्स से हमला हुआ। पाकिस्तानी ड्रोन्स ने जम्मू एयरपोर्ट और पठानकोट एयरफोर्स स्टेशन को निशाना बनाया, जिसे भारतीय एयर डिफेंस सिस्टम ने नाकाम कर दिया।

पाकिस्तान की तरफ से आरएसपुरा सेक्टर में भारी शेलिंग हो रही है। नियंत्रण रेखा बारामूला में भारी फायरिंग हो रही है।

इन इलाकों में पूरी तरह ब्लैक आउट

जम्मू-कश्मीरः जम्मू, उधमपुर, किश्तवाड़, अखनूर, सांबा, श्रीनगर और अनंतनाग
राजस्थानः बाड़मेर, बीकानेर और श्रीगंगानगर
पंजाबः चंडीगढ़, मोहाली, जालंधर, अमृतसर, होशियारपुर, गुरदासपुर, पठानकोट और तरनतारन
गुजरातः भुज, कच्छ और पाटण
भास्कर रिपोर्टर वैभव पलनीटकर जम्मू और सुनील मौर्य श्रीनगर में हैं। वे ग्राउंड जीरो से हर जानकारी अपडेट कर रहे हैं।
जम्मू-अखनूर के आकाश में लाल ऑब्जेक्ट दिखाई दिए।
जम्मू-अखनूर के आकाश में लाल ऑब्जेक्ट दिखाई दिए।

अमेरिका ने कहा- कश्मीर में जो हुआ, वह भयानक

अमेरिका की विदेश विभाग की प्रवक्ता टैमी ब्रूस ने कहा कि पाकिस्तान पहलगाम आतंकी हमले की स्वतंत्र जांच चाहता है, इस पर चर्चा हुई। हमने भारत और पाकिस्तान दोनों से अपील की है कि तनाव का हल निकालने के लिए काम करें। हमने दोनों सरकारों से फोन पर हालात का जायजा लिया। हमारे बीच क्या बातचीत हुई या क्या मैसेज दिया गया, इसे नहीं बता सकते।यह पूछे जाने पर कि भारत कहता है कि पाकिस्तान आतंकी गुटों को समर्थन देता है, टैमी ब्रूस ने कहा कि आज की दुनिया में यह एक ऐसी बात है, जिसे हम दशकों से कहते चले आ रहे हैं। मिडिल ईस्ट में लोगों की जिंदगियां खत्म हो रही हैं। कश्मीर में जो हो रहा है, वह भयानक है। इसके लिए हम संवेदनाएं जताते हैं। दुनिया इस तरह की हिंसा की निंदा करती है।

आत्मनिर्भर रक्षा प्रणाली की दिशा में एक बड़ी उपलब्धि दिलाने वाली है

रक्षामंत्री 11 को करेंगे सुपरसोनिक मिसाइल 'ब्रह्मोस' की फैक्ट्री का उद्घाटन

एजेंसी ➤ लखनऊ

पाकिस्तान के साथ तनाव के बीच भारत अपनी सामरिक क्षमता को और धार देने जा रहा है। दुनिया की सबसे विध्वंसक मानी जाने वाली सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल 'ब्रह्मोस' का निर्माण अब उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में होगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की महत्वाकांक्षी परियोजना डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर के लखनऊ नोड पर 11 मई को ब्रह्मोस मिसाइल निर्माण यूनिट का उद्घाटन किया जायेगा। ब्रह्मोस एयरोस्पेस द्वारा स्थापित की जा रही यह यूनिट 300 करोड़ रुपए के निवेश से तैयार हुई है और भारत को आत्मनिर्भर रक्षा प्रणाली की दिशा में एक बड़ी उपलब्धि दिलाने वाली है।

इस संदर्भ में गुरुवार को प्राप्त विवरण के मुताबिकयोगी सरकार ने दिसंबर 2021 में ब्रह्मोस प्रोजेक्ट के लिए लखनऊ में 80 हेक्टेयर भूमि नि:शुल्क आवंटित की थी। सिर्फ 3.5 वर्षों में इस परियोजना को

निर्माण से उत्पादन की अवस्था तक लाना प्रदेश सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शा रहा है। डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर परियोजना का संचालन कर रही यूपीडा के एसीईओ श्रीहरि प्रताप शाही ने बताया कि योगी की मंशा के अनुरूप, प्रदेश सरकार की ओर से ब्रह्मोस मिसाइल की मैन्युफैक्चरिंग के लिए भूमि निशुल्क उपलब्ध कराई गई है और यूनिट के विकास पर लगातार नजर रखी गई है।

उत्पादन के लिए तैयार

यही वजह है कि, मात्र साढ़े तीन वर्ष में यह यूनिट बनकर उत्पादन के लिए तैयार है। लखनऊ नोड पर ब्रह्मोस के साथ ही अन्य डिफेंस इक्विपमेंट्स बनाए जाने की तैयारी है, जो डिफेंस सेक्टर में लखनऊ और उत्तर प्रदेश को एक नई पहचान देने का काम करेगा। पाकिस्तान के साथ जारी तनाव को देखते हुए उत्तर प्रदेश में ब्रह्मोस जैसी रणनीतिक मिसाइल का बनना बेहद खास माना जा रहा है। यह कदम भारत की सैन्य ताकत को और मजबूत करेगा और उत्तर प्रदेश को देश की रक्षा में एक खास भूमिका निभाने वाला राज्य बना देगा। इस प्लांट के शुरू होने से उत्तर प्रदेश सीधे तौर पर देश की सुरक्षा और विकास में योगदान देगा। यह एक बड़ी और जरूरी परियोजना है जिसमें उत्तर प्रदेश की बड़ी भागीदारी होगी।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद मिट्टी में मिल गया आंतकी हाफिफ सईद का मरकज तैयबा कैंप

नई दिल्ली । भारतीय सेना ने ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाक के कब्जे वाले कश्मीर सहित पाकिस्तान स्थित नौ आतंकी ठिकानों पर हमला किया। सेना ने पीओके के मुजफ्फराबाद को निशाना बनाया ही, पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के मुरिदके को भी सैन्य एक्शन की जद में लिया। सेना ने मुरीदके के मरकज तैयबा कैंप को मिटटी में मिला दिया। यह वहीं मरकज है, जहां 26/11 के गुनहगार अजमल कसाब और डेविड कोलमैन हेडली की ट्रेनिंग हुई थी। भारतीय हमले के बाद पाकिस्तान से कई वीडियो सामने आए, जो तबाही के निशान दिखा रहे थे। मुरीदके से अब एक नया वीडियो सामने आया है। ताजा वीडियो लश्कर के मुख्यालय मरकज तैयबा का बताया जा रहा है।

करीब 82 एकड़ जमीन में फैले परिसर के वीडियो में रेस्क्यू की गाड़ियां, एम्बुलेंस खड़ी दिख रही हैं।

09-MAY -25 Ek Sat Buletin Rai:09-MAY -25 Ek Sat Buletin Rai.qxd 09-May-25 4:14 AM Page 2

न्यूज ब्रीफ

परिक्षेत्र के अनुसार गणना की जायेगी - निगमायुक्त

जबलपुर,। निगमायुक्त श्रीमती प्रीति यादव ने बताया कि रेलवे प्रशासन से लगातार पत्राचार कर भूमि, भवन संबंधी जानकारी मॉगी जा रही थी, नगर निगम द्वारा प्रतिवर्ष रेलवे की रहवासी एवं व्यवसायिक संपत्तियो का संभागो के माध्यम से डिमांड जारी करके संपत्तिकर के 33.33 प्रतिशत सेवा प्रभार की डिमांड वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए जारी की गयी है एवं सभी निरीक्षण में रेलवे सेक्शन इंजीनियर से भूमि संबंधी दस्तवेजो की मांग की जा रही है। निगमायुक्त श्रीमती प्रीति यादव ने बताया कि रेलवे की भूमि, भवन का निर्माण वर्ष, उपयोग एवं परिक्षेत्र के अनुसार गणना की जायेगी। अपर आयुक्त श्रीमती अंजू सिंह ने बताया कि संभाग 1, 2, 3, 4, 11, एवं 13 के संभागीय अधिकारियों और राजस्व निरीक्षकों के द्वारा लगतार सर्वे भी किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि रेलवे प्रशासन के द्वारा अपनी व्यवसायिक और रहवासी सम्पत्तियों का सेवा प्रभारी पहली बार निगम कोष में जमा किया जायेगा।

विश्व रेडक्रास दिवस पर स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन

जबलपुर। विश्व रेडक्रास दिवस के उपलक्ष्य में जिले में वृद्धाश्रम बाजनामठ में रेडक्रास द्वारा स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। इस दौरान वृद्धाश्रम में निवासरत् अंत:वासियों का स्वास्थ्य परीक्षण के अंतर्गत ब्लड प्रेशर, शुगर, नेत्र आदि की जॉच कर देवजी नेत्रालय के चिकित्सक एवं आयुष विभाग की टीम द्वारा दवाईयाँ वितरित की गई। आयोजित कार्यक्रम मेंआशीष दीक्षित, सचिव, इंडियन रेडक्रास सोसायटी, डॉ. सुनील मिश्रा, राज्य स्तरीय प्रबंध समिति सदस्य,नीरज वर्मा, कार्यकारिणी सदस्य,सुशील मिश्रा, कार्यकारिणी सदस्य,नरेश ग्रोवर, कार्यकारिणी सदस्य,हेमंत मोढ़, कार्यकारिणी सदस्य एवंसुनील गर्ग, कार्यकारिणी सदस्य द्वारा संस्थापक सर हेनरी ड्युनाट् के चित्र में दीप प्रज्वलित एवं माल्यार्पण कर स्वास्थ्य शिविर का शुभारंभ किया गया। इंडियन रेडक्रास उपरोक्त कार्यक्रम में इंडियन रेडक्रास सोसायटी, जबलपुर सेसंदीप मिश्रा, श्रीमती रेवेन्दु सिंह,विजय सिंह ठाकुर,विक्रम सिंह पटेल,विपिन शर्मा, संतोष सेन, जलील अहमद का सराहनीय सहयोग रहा।

विश्व रेडक्रास दिवस के अवसर पर थैलेसिमिया बीमारी से पीड़ित बच्चों के सहायतार्थ सुविधा हॉस्पिटल एण्ड रिसर्च सेंटर जबलपुर में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें 21 यूनिट रक्त जिला चिकित्सालय ब्लड बैंक टीम द्वारा रक्त संग्रहित किया

विश्व रेडक्रास दिवस पर स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन

जबलपुर। विश्व रेडक्रास दिवस के उपलक्ष्य में जिले में वृद्धाश्रम बाजनामठ में रेडक्रास द्वारा स?वास?थ्य शिविर का आयोजन किया गया। इस दौरान वृद्धाश्रम में निवासरत् अंत:वासियों का स्वास्थ्य परीक्षण के अंतर्गत ब्लड प्रेशर, शुगर, नेत्र आदि की जॉच कर देवजी नेत्रालय के चिकित्सक एवं आयुष विभाग की टीम द्वारा दवाईयाँ वितरित की गई। आयोजित कार्यक्रम मेंआशीष दीक्षित, सचिव, इंडियन रेडक्रास सोसायटी, डॉ. सुनील मिश्रा, राज्य स्तरीय प्रबंध समिति सदस्य,नीरज वर्मा, कार्यकारिणी सदस्य,सुशील मिश्रा, कार्यकारिणी सदस्य,नरेश ग्रोवर, कार्यकारिणी सदस्य,हेमंत मोढ़, कार्यकारिणी सदस्य एवंसुनील गर्ग, कार्यकारिणी सदस्य द्वारा संस्थापक सर हेनरी ड्युनाट् के चित्र में दीप प्रज्वलित एवं माल्यार्पण कर स्वास्थ्य शिविर का शुभारंभ किया गया। इंडियन रेडक्रास उपरोक्त कार्यक्रम में इंडियन रेडक्रास सोसायटी, जबलपुर सेसंदीप मिश्रा, श्रीमती रेवेन्दु सिंह,विजय सिंह ठाकुर,विक्रम सिंह पटेल,विपिन शर्मा, संतोष सेन, जलील अहमद का सराहनीय सहयोग रहा।

रनिंग रूम, लॉबी का त्रैमासिक निरीक्षण एवं संरक्षा सेमिनार

जबलपुर,। जबलपुर मंडल में व्ही.आई.पी. वेटिंग हॉल, सागर स्टेशन में संरक्षा सेमीनार तथा कर्षण परिचालन विभाग के पारिवारिक सेमीनार का आयोजन श्री आनंद कुमार, अपर मंडल रेल प्रबंधक (ओ एण्ड आई), प.म.रे. जबलपुर की उपस्थिति में किया गया। इस सेमिनार में जबलपुर मंडल के वरिष्ठ अधिकारियो सहित लगभग 112 कर्मचारियों ने भाग लिया। अपर मंडल रेल प्रबंधक द्वारा सभी विभाग प्रमुखों के साथ सागर रनिंग रूम लॉबी का संयुक्त निरीक्षण किया गया। जिसमें रनिंग स्टाफ हेतु पूर्ण विश्राम, साफ पीने का पानी, अच्छी गुणवत्ता का भोजन उपलब्ध है या नहीं, रनिंग रूम का वातावरण कैसा है, क्या सुधार किया जा सकता है, गहन जांच कर संबंधित विभाग प्रमुख को शीघ्र सुधार हेतु दिशा निर्देश दिए गए एवं लॉबी में निरीक्षण के दौरान सहायक लोको पायलट इमरजेंसी वॉल्व को ऑपरेट कर डेमो दिया गया।

स्वास्थ्य परीक्षण यंत्र की सही कार्य प्रणाली

राजभवन में मॉकड्रिल का आयोजन

संवाददाता ➤ रायपुर

राज्यपाल रमेन डेका के निर्देश पर राजभवन परिसर में आज आपात स्थिति से निपटने की तैयारियों के तहत मॉकड्रिल का आयोजन किया गया। जिसमे सुरक्षा, चिकित्सा, आग नियंत्रण, विद्युत एवं अन्य आपातकालीन व्यवस्थाओं के संबंध में अधिकारियों-कर्मचारियों को अभ्यास कराया गया।

मॉकड्रिल से पूर्व राजभवन के अधिकारियों-कर्मचारियों को नगर सेनानी पुष्पराज सिंह द्वारा इसकी पूर्व जानकारी दी गई। आपदा की स्थिति में सावधान रहने और भवन से बाहर निकलने के लिए एक-एक मिनट का सायरन और स्थिति सामान्य होने पर तीन मिनट का लंबा सायरन बजेगा। हमले की स्थिति में कर्मचारी किस तरह सुरक्षित रहें इसका अभ्यास कराया गया। आग लगने पर और भवन के ध्वस्त होने की स्थिति में 112 नंबर डायल कर सूचना देना है जिससे फायर ब्रिग्रेड, एसडीआरएफ और मेडिकल टीम को बुलाया जा सके, इसका भी अभ्यास कराया गया।

आजादी नहीं भीख के विवादित विवाद मामले में अभिनेत्री व सांसद कंगना रनौत को राहत

एमपी-एमएलए कोर्ट ने निरस्त किया परिवाद

संवाददाता ➤ जबलपुर,

एमपी-एमएएल विशेष न्यायालय के न्यायाधीश डीपी सूत्रकार ने आजादी नहीं भीख के विवादित विवाद मामले में अभिनेत्री व सांसद कंगना रनौत को राहत प्रदान कर दी है। कोर्ट ने अभिनेत्री के विरुद्ध दायर परिवाद को अनुचित करार देते हुए निरस्त कर दिया। कोर्ट ने अपने आदेश में साफ किया कि लोकतंत्र में प्रत्येक व्यक्ति को ये अधिकार है कि वह अपने आप को कब आजाद माने। कोई व्यक्ति वर्ष 1947 से अंग्रेजों की आजादी के बाद भी स्वयं को गुलाम महसूस करता है तो वे उसके व्यक्तिगत विचार हो सकते हैं, जो तब तक मानहानि की कोटि में नहीं रखे जा सकते, जब तक कि किसी दूसरे व्यक्ति के अधिकारों का उल्लंघन न करें। परिवादी जबलपुर निवासी अधिवक्ता अमित साहू ने अभिनेत्री व बीजेपी सांसद कंगना रनौत द्वारा वर्ष-2011 में दिए गए बयान को चुनौती दी थी। कंगना ने अपने बयान में कहा था कि 1947 में भारत को मिली आजादी, आजादी नहीं भीख थी। असली आजादी तो 2014 में मिली, जब नरेंद्र मोदी देश के प्रधानमंत्री बने। इसे विवादित बयान की संज्ञा देते हुए पहले थाने में शिकायत दर्ज कराई गई। लेकिन एफआइआर दर्ज नहीं हुई। इसीलिए अदालत में परिवाद दायर कर एफआइआर के निर्देश जारी किए जाने पर बल दिया गया। अधिवक्ता साहू का कहना था कि कंगना के बयान से देश के स्वतंत्रता आंदोलन में योगदान देने वाले अमर सेनानियों का अपमान हुआ है। स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के परिवारों के साथ हर भारतीय को ठेस भी पहुंची है। देश को आजादी लंबे संघर्ष और बलिदान के बाद साल 1947 में आजादी मिली थी। इसीलिए कंगना के बयान के बाद देश में हंगामा खड़ा हो गया था।

के अलग-अलग वर्गों ने तीखी प्रतिक्रिया दी थी। इंटरनेट मीडिया पर पद्मश्री वापस लेने पर भी बल दिया गया था। कोर्ट ने मामले की प्रारंभिक सुनवाई के दौरान कंगना को नोटिस जारी कर जवाब-तलब कर लिया था।

महतारी वंदन योजना बना मंजूलता एवं सविता के लिए मुश्किल वक्त का सहारा

संवाददाता ➤ रायपुर

प्रदेश सरकार द्वारा राज्य की महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाकर उन्हें हर तरह से सबल एवं सक्षम बनाने हेतु शुरू की गई महतारी वंदन योजना राज्य के महिलाओं के लिए हर तरह से उपयोगी एवं अत्यंत लाभप्रद सिद्ध हो रही है। राज्य की महिलाएं इस योजना से प्रतिमाह मिलने वाली राशि का उपयोग इलाज, घरेलु कार्य एवं अन्य जरूरी कार्यों के लिए करने के साथ-साथ अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा-दीक्षा दिलाने में भी कर रहीं है। राज्य शासन की यह महत्वाकांक्षी योजना बालोद जिले के आदिवासी बहुल डौण्डी विकासखण्ड के ग्राम खलारी की ग्रामीण महिला मंजूलता एवं ग्राम बनगांव निवासी सविता टेकाम के लिए मुश्किल वक्त का सहारा बन गई है। महतारी वंदन योजना के अंतर्गत इन दोनों महिलाओं को प्रतिमाह मिलने वाली राशि का उपयोग उनके बच्चों के उच्च शिक्षा के अध्ययन के लिए शुल्क जमा करने में मददगार साबित होकर यह योजना उनके बच्चों को शिक्षा-दीक्षा दिलाने की दिशा में संजीवनी साबित हो रहा है। इन दोनों महिलाओं ने बताया कि महतारी वंदन योजना के अंतर्गत प्रतिमाह मिलने वाली राशि उनके बच्चों के पढ़ाई-लिखाई के लिए बहुत बड़ा सहारा बन गई है।

राज्य शासन की इस योजना की सराहना करते हुए ग्राम खल्लारी निवासी मंजूलता ने कहा कि महतारी वंदन योजना से प्रतिमाह मिलने वाली राशि मेरे लिए हर तरह से उपयोगी साबित हो रहा है। उन्होंने कहा कि वे बहुत ही साधारण ग्रामीण परिवार की घरेलू महिला है। वे एवं उनके परिवार थोड़ी बहुत खेती-किसानी एवं मेहनत-मजदूरी कर अपना जीवन-यापन करती हैं। उन्होंने बताया कि उनका लड़का देवेन्द्र कुमार शासकीय महाविद्यालय कांकेर में बीएससी द्वितीय वर्ष का विद्यार्थी है। परिवार की आर्थिक स्थिति अच्छी नही होने के कारण महतारी वंदन योजना से प्रतिमाह राशि प्राप्त होने के पहले अपने बच्चों के पढ़ाई-लिखाई के लिए राशि प्रबंध करने में बहुत कठिनाई होती थी। वे और उनका परिवार बहुत मुश्किल से अपने बच्चों की पढ़ाई-लिखाई के लिए पैसे का प्रबंध कर पाते थे। लेकिन अब प्रतिमाह महतारी वंदन योजना अंतर्गत उनके खाते में 01 हजार रुपये की राशि जमा होने से उनके बच्चे के पढ़ाई-लिखाई के लिए राशि का प्रबंध करने के लिए किसी प्रकार की कठिनाई नही होती है। इस तरह से महतारी वंदन योजना लागू होने से उनके एवं उनके परिवार की बहुत बड़ी चिंता दूर हुई है। आज वे एवं उनके परिवार तथा उनके बच्चे बहुत ही प्रसन्नचित है।

इसी तरह राज्य शासन की इस योजना की सराहना डौण्डी विकासखण्ड के ग्राम बनगांव सविता टेकाम ने भी की है। उन्होंने कहा कि खेती-किसानी एवं मेहनत-मजदूरी का कार्य ही उनके परिवार के जीविकोपार्जन का आधार है। खराब आर्थिक स्थिति के बावजूद उन्हें और उनके बच्चों में पढ़ाई-लिखाई के प्रति उन्हें अपार लगाव है। लेकिन घर की आर्थिक स्थिति खराब होने के कारण बच्चों की पढ़ाई के लिए राशि का प्रबंध करने के लिए बहुत ही कठिनाईयों का सामना करना पड़ता है। वर्तमान में महतारी वंदन योजना के अंतर्गत प्रतिमाह मिलने वाली राशि उनके बच्चों पढ़ाई-लिखाई के लिए सहारा बन कर मेरे एवं मेरे परिवार के सपनों को पंख देने एवं संबल प्रदान करने का कार्य कर रहा है।

राज्य में बढ़ा तापमान, मौसम विभाग ने जारी किया बारिश का अलर्ट

जिससे अधिक राजस्व निगम कोष में जमा हो सके

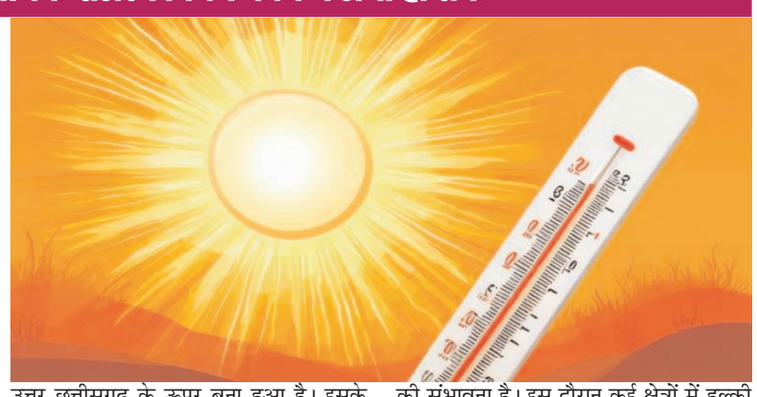

छत्तीसगढ़ में गरज-चमक के साथ बारिश की गतिविधि कम होने से तापमान में बढ़ोतरी शुरू हो गई है। राज्य के दुर्ग जिला में दिन का पारा 40 डिग्री के करीब पहुंच गया है। प्रदेश में इन दिनों मौसम सुबह के समय तेज धूप और भीषण गर्मी, तो शाम होते ही कई जिलों में हल्की मध्यम बारिश हैं। आज गुरुवार को राजधानी रायपुर समेत प्रदेश के कई जिलों में बौछारें पड़ सकती है।

मौसम विभाग के अनुसार, पश्चिमी विक्षोभ एक चक्रवती परिसंचरण के रूप में पश्चिमी राजस्थान और उसके आसपास के क्षेत्र में समुद्र तल से 4.5 और 9.5 किमी ऊपर बना हुआ है। साथ ही पूर्व-पश्चिम द्रोणिका दक्षिण-पश्चिम राजस्थान और उसके आसपास के क्षेत्रों से चक्रवाती परिसंचरण से मध्य प्रदेश और उत्तर छत्तीसगढ़ के ऊपर बना हुआ है। इसके प्रभाव से प्रदेश में मौसम का मिजाज बदला हुआ है। एक-दो जगह पर मेघ गर्जन के साथ 50-60 किमी की रफ्तार से तेज हवा चलने की संभावना है। इस दौरान कई क्षेत्रों में हल्की मध्यम बारिश हो सकती है।पिछले 24 घंटे के दौरान प्रदेश के एक-दो जगह पर हल्की मध्यम बारिश दर्ज की गई है।

भक्तों का कल्याण करने अवतार लेते हैं भगवान : सुरेंद्र शास्त्री

कृष्ण जन्मोत्सव पर झूम उठे भक्त, ब्र. चैतन्यानंद जी का पादुका पूजन हुआ

संवाददाता ➤ जबलपुर,

पंजाब बैंक कालोनी में चल रही श्रीमद् भागवत कथा के चतुर्थ दिवस पर भगवान श्री कृष्ण का जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया गया। श्री कृष्ण जन्मोत्सव के प्रसंग के पश्चात भगवान श्री कृष्ण के जन्म की मनोहर झांकी देखकर सभी श्रोता आनंदकंद भगवान श्री कृष्ण के जयकारे लगाने लगे। भक्ति में मंत्रमुग्ध होकर श्रोताओं ने जमकर नृत्य किया। खुशियों के बीच भगवान श्री कृष्ण के जयकारों से समूचा क्षेत्र गूंज उठा। कथा में पहुंचे ब्रह्मचारी चैतन्यानंद जी महाराज का पादुका पूजन कर शाल श्रीफल भेंट कर स्वागत किया गया। ब्रह्मचारी चैतन्यानंद महाराज ने कथा व्यास सुरेंद्र कृष्ण शास्त्री महाराज का चुनरी उढ़ाकर सम्मान किया।

व्यास पीठ से कथावाचक शिव मंदिर कचनार सिटी (बड़े शंकर जी) विजय नगर के मुख्य आचार्य एवं मां दक्षिणेश्वरी धाम के संस्थापक सुरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने कहा कि हर युग में भगवान अधर्म एवं पापियों का नाश, धर्म का उत्थान एवं अपने भक्तों का कल्याण करने के लिए अवतार लेते हैं। पापियों का संहार करके अपने भक्तों की रक्षा करते हैं।व्यासपीठ एवं देवी देवताओं का पूजन अर्चन पंडित अमित उपाध्याय, संजय शास्त्री ने संपन्न कराया।

मॉक ड्रिल के फीडबैक के संबंध में आयोजित बैठक में दिये निर्देश

सिविल डिफेंस सिस्टम को अपडेट करें - कलेक्टर

संवाददाता ➤ जबलपुर,

कलेक्टर दीपक सक्सेना ने कल आयोजित मॉक ड्रिल के फीडबैक के संबंध में सभी संबंधित अधिकारियों की बैठक की। बैठक में मॉक ड्रिल के दौरान पाई गई कमियों को सुधार करने के निर्देश दिये तथा प्रदेश के अन्य चार जगह आयोजित मॉक ड्रिल में किये गये नवाचार के संबंध में चर्चा की गई। उन्होंने कहा कि आपात स्थिति में नागरिकों की सुरक्षा के लिए बेहतर तरीका क्या हो सकते हैं इस पर विचार कर नवाचार करें। उन्होंने कहा कि इस संबंध में सिविल डिफेंस सिस्टम को अपडेट कर पूरी कार्ययोजना तैयार रखें। आपदा की स्थिति में सायरन सही समय पर बजाने, बचाव व राहत संसाधनों का समय पर सुनिश्चित करने आदि अनेक बिंदुओं पर चर्चा कर इसमें सुधार के निर्देश दिये। साथ ही कहा गया कि ब्लैक आउट के दौरान भी कुछ लोग सड़कों पर लाइट जलाते मिले, वहीं कुछ दुकानों व संस्थानों में भी प्रकाश बाहर से दिखाई दिया। कलेक्टर सक्सेना ने लोगों से अपील किया कि लोग स्वविवेक से नागरिकों की सुरक्षा की दृष्टि से ब्लैक आउट के समय अपने-अपने घरों के लाईट को बंद कर देना चाहिए और ऐसी छदम स्थिति निर्मित कर देना चाहिए जिससे लगे कि यह अवासीय क्षेत्र नहीं है। ब्लैक आउट के संबंध में उन्होंने लोगों से जागरूक रहने की अपेक्षा व्यक्त की।

वार्डन व वालिंटियर के पंजीयन के लिए फार्म रहेंगे उपलब्ध

बैठक के दौरान होमगार्ड कमांडेंट ने बताया गया कि सिविल डिफेंस के लिए शहर के हर थानों में वार्डन व वालिंटियर के लिए फार्म उपलब्ध रहेंगे। जिसमें युवा शक्ति आपात स्थिति में नागरिकों की सुरक्षा तथा बचाव कार्य में अपनी सहभागिता कर योगदान दे सकते हैं। बैठक में डीआईजी अतुल सिंह, एसपी संपत उपाध्याय, नगर निगम कमिश्नर मती प्रीति यादव, अपर कलेक्टर सु मिशा सिंह, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अभिषेक गहलोत, अपर कलेक्टर नाथूराम गोंड सहित अन्य संबंधति अधिकारी मौजूद थे।

09-MAY -25 Ek Sat Buletin Rai:09-MAY -25 Ek Sat Buletin Rai.qxd 09-May-25 4:14 AM Page 3

न्यूज ब्रीफ

(कोरबा) ऑपरेशन सिंदूर की ऐतिहासिक सफलता पर ट्रांसपोर्ट नगर चौक पर भव्य आतिशबाजी का कार्यक्रम आयोजित

कोरबा (ईएमएस) देश की सुरक्षा और आतंकवाद के विरुद्ध चलाए गए निर्णायक अभियान ऑपरेशन सिंदूर की ऐतिहासिक सफलता पर कोरबा जिले में राष्ट्रभक्ति का उत्सव मनाया जा रहा है। यह अभियान न केवल सैन्य सफलता का प्रतीक है, बल्कि भारत के आत्मविश्वास और अदम्य साहस का भी परिचायक बन गया है।

इसी गौरवपूर्ण अवसर पर 7 मई शाम 5:30 बजे टी.पी. नगर चौक में भव्य आतिशबाजी कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। यह कार्यक्रम न सिर्फ वीर जवानों को श्रद्धांजलि अर्पित करने का अवसर है, बल्कि नागरिकों में देशभक्ति और एकजुटता का संचार करने का भी माध्यम बनेगा। भारतीय जनता पार्टी, जिला कोरबा के जिलाध्यक्ष गोपाल मोदी ने सभी भाजपा पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं एवं देशप्रेम से ओत-प्रोत नागरिकों से अनुरोध किया है कि वे इस ऐतिहासिक क्षण के साक्षी बनें और ''ऑपरेशन सिंदूर'' की सफलता को मिलकर हर्षोल्लास से मनाएं।

(कोरबा) ग्रीन जोन में की जा रही हरे-भरे पेड़ों की कटाई-किया जा रहा जमीन पर कब्जा

* रातों-रात गिराई जा रही रेत-गिट्टी

कोरबा (ईएमएस) जानकारी के अनुसार कोरबा अंचल के हैलीपेड स्थित ग्रीन जोन नर्सरी में इन दिनों हरे-भरे पेड़ों की कटाई और अवैध कब्जे का खेल फिर से शुरू हो गया है। जिस जमीन को पर्यावरण संतुलन और हरियाली के लिए संरक्षित किया गया था, जहा हरे-भरे पौधों का रोपण किया गया था उसी को नस्ट कर जमीन कब्जे का खेल रात के अंधेरे खेला जा रहा है।

बताया जा रहा हैं की बीते कुछ दिनों से यहां पेड़ काटे जा रहे हैं और रात के वक्त भारी मात्रा में रेत, गिट्टी और निर्माण सामग्री गिराई जा रही है। मौके पर मिक्सर मशीन भी देखी गई है, जिससे साफ जाहिर है कि स्थायी निर्माण की तैयारी चल रही है। बीम खड़े किए जा चुके हैं और कब्जे की गति तेज हो गई है।स्थानीय लोगों का कहना है कि यह जमीन ग्रीन जोन के तहत आती है, जहां किसी भी प्रकार का निर्माण गैर कानूनी है। बावजूद इसके, पेड़ों की अंधा-धुंध कटाई कर रातों-रात संरचना खड़ी की जा रही है।

इससे पहले भी पूर्व वार्ड पार्षद और वर्तमान पार्षद पति शैलेन्द्र सिंह पप्पी द्वारा अवैध कब्जे के खिलाफ आवाज उठाने पर नगर निगम की टीम मौके पर पहुंची थी और कब्जाधारियों को हटाया गया था, लेकिन अब फिर से वही कब्जे की गतिविधियाँ शुरू हो गई हैं।

स्थानीय लोगों और जागरूक नागरिकों में इस पूरे घटनाक्रम को लेकर गहरी नाराजगी है। उनका कहना है कि यदि जल्द कार्यवाही नहीं की गई, तो शहर का ग्रीन जोन धीरे-धीरे कंक्रीट के जंगल में तब्दील हो जाएगा।

(कोरबा) आरोप सिद्ध होने पर प्रोफेसर सुरेशचंद तिवारी को सपत्निक न्यायालय ने सुनाई तीन-तीन साल की सजा-लगाया अर्थदंड भी

* प्रार्थी को 25.5 लाख रुपए अदा करने न्यायालय ने दिया आदेश

कोरबा (ईएमएस) कोरबा अंचल के दादरखुर्द क्षेत्र में जमीन बिक्री में फर्जीवाड़े के आरोप से अंचल में चर्चित हुए प्रोफेसर सुरेशचंद तिवारी को सपत्निक आरोप सिद्ध होने पर न्यायालय ने तीन-तीन साल की सजा अर्थदंड सहित सुनाई हैं। न्यायालय ने पीड़ित पक्ष को 25.5 लाख रुपए अदा करने का आदेश दिया है।

जानकारी के अनुसार मामला लगभग 12 साल पहले हुए धोखाधड़ी का है। प्रार्थी जगदीश मिश्रा निवासी साकेत विहार जिला पटना (बिहार) ने 10 जुलाई 2020 को मानिकपुर पुलिस चौकी में दादरखुर्द के परशुराम नगर निवासी प्रोफेसर सुरेशचंद तिवारी सहित उनकी पत्नी के खिलाफ लिखित शिकायत की थी। इसके मुताबिक प्राथी सेवानिवृत्त होने के बाद प्राप्त रकम का सदुपयोग करने जमीन क्रय करना चाहते थे। उन्हें पता चला कि सुरेशचंद तिवारी अपनी भूमि का विक्रय कर रहे हैं। वे 2013 में सुरेशचंद तिवारी के घर पहुंचे। तब सुरेश तिवारी ने बताया कि उनकी एक भूमि है, जो उनकी पत्नी के नाम पर है और ग्राम दादरखुर्द में स्थित है।

उनके साथ जमीन बिक्री के लिए 16 लाख 50 हजार रुपए में सौदा हुआ और जमीन की रजिस्ट्री करा दी गई। तद्पश्चात नामांतरण के दौरान जगदीश मिश्रा को पता चला कि उक्त जमीन उनके नाम पर नहीं है। इस तरह धोखाधड़ी होने का पता चलने पर जब रुपए वापस मांगे, तो उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा की उसके साथ मारपीट करते हुए धमकी भी दी गई। प्रा?र्थी जगदीश मिश्रा की शिकायत पर पुलिस ने कथित आरोपी सुरेशचंद्र तिवारी व उनकी पत्नी के खिलाफ केस दर्ज कर प्रकरण न्यायालय में पेश किया था। मामले की सुनवाई न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी सत्यानंद प्रसाद के न्यायालय में हुई, जहां शासन की ओर से डीपीओ एस.के. मिश्रा ने पैरवी की।

सुनवाई के दौरान कथित आरोपी दंपत्ति पर दोष सिद्ध हो गया। इस पर न्यायालय ने आरोपी दंपत्ति को 3-3 वर्ष के कठोर कारावास और 10-10 हजार रुपए

अंडर-15 स्टेट टीम में इचकेला छात्रावास की 9 बालिकाएं सलेक्ट

जशपुर की बेटियों ने क्रिकेट में लहराया परचम

संवाददाता ➤ रायपुर

छत्तीसगढ़ स्टेट क्रिकेट संघ द्वारा स्टेट टीम के चयन के लिए आयोजित ट्रायल स्पर्धा में जशपुर जिले के शासकीय प्री-मैट्रिक बालिका छात्रावास इचकेला की 9 बालिकाओं ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अंडर-15 टीम में अपनी जगह बनाई है। जशपुर के इचकेला छात्रावास की ही 6 छात्राएं अंडर-19 की ट्रायल स्पर्धा के अगले दौर में पहुंची हैं। इचकेला छात्रावास की कुल 15 छात्राओं ने अपनी क्रिकेट प्रतिभा की बदौलत जशपुर जिले का नाम रौशन किया है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने जशपुर जिले की बेटियों की क्रिकेट प्रतिभा की सराहना की है और उनकी इस शानदार उपलब्धि के लिए बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। मुख्यमंत्री ने कहा है कि यह गौरवशाली उपलब्धि न केवल जशपुर, बल्कि पूरे छत्तीसगढ़ के लिए गर्व का

विषय है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार खेलों के विकास और खिलाड़ियों को आगे बढ़ाने के लिए हरसंभव मदद दे रही है।

स्टेट अंडर-15 टीम के लिए इंजील लकड़ा, जिज्ञासा कुजूर, अमीषा लकड़ा, रितु भगत, पूर्वांशी साहू, साक्षी यादव, गायत्री बाई, अभिलाषी बड़ा और संतोषी बाई चयनित हुईं हैं। इसी तरह अंडर-19 टीम के लिए आकांक्षा रानी, वर्षा बाई, नितिका बाई, झूमूर तिर्की, तुलसीका भगत और अलका रानी कुजूर ट्रायल के अगले दौर में पहुंच गई हैं, यह ट्रायल 08 मई को प्रातः 7 बजे से आरडीसीए ग्राउंड रायपुर में होगा।गौरतलब है कि इचकेला छात्रावास की अधीक्षिका श्रीमती पंडरी बाई के समर्पण से छात्रावास में न केवल खेल को बढ़ावा मिला, बल्कि वहां की आदिवासी बेटियां क्रिकेट के खेल में जशपुर जिले को गौरान्वित करने लगी है। यहां यह उल्लेखनीय है कि अधीक्षिका श्रीमती पंडरी बाई की बेटी आकांक्षा रानी, जो पहाड़ी कोरवा समुदाय से हैं और अंडर-19 बीसीसीआई टी-20 ट्रॉफी में छत्तीसगढ़ टीम की प्रमुख खिलाड़ी के रूप में अपनी पहचान बना चुकी हैं। आकांक्षा रानी के शानदार प्रदर्शन ने छात्रावास में रहने वाली अन्य बालिकाओं को क्रिकेट के खेल के प्रति आकर्षित किया, जिसके चलते इचकेला छात्रावास क्रिकेट खेल को लेकर प्रसिद्ध हो गया है। यहां अध्ययनरत बालिकाओं के क्रिकेट कोच श्री संतोष कुमार, मेंटोर शंकर सोनी और छात्रावास वार्डन श्रीमती पंडरी बाई की अहम भूमिका रही है।

10वीं बोर्ड में टॉप आने वाले विद्यार्थी को कैबिनेट मंत्री लखनलाल देवांगन ने दी बधाई

उपहार में मिलेंगे दो लाख

संवाददाता ➤ कोरबा

श्रमिक के होनहार सपूत नमन ने छत्तीसगढ़ बोर्ड की 10वीं की परीक्षा में टॉप किया है। इस सफलता पर हर्ष व्यक्त करते हुए प्रदेश के वाणिज्य, उद्योग और श्रम मंत्री लखनलाल देवांगन ने नमन और उनके माता-पिता को बधाई दी है। नमन को शासन की ओर से उपहार में स्कूटी सहित दो लाख प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाएगी। मेरिट में आने वाले पंजीकृत श्रमिकों के बच्चों को मुख्यमंत्री नोनी बाबू मेधावी छात्र-छात्रा शिक्षा प्रोत्साहन योजना के तहत लाभ दिया जाएगा।

जानकारी के अनुसार छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा घोषित 10वीं की परीक्षा में टॉप करने वाले छात्र नमन कुमार खुटिया की माता हरवती यादव छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल में रेजा कुली मजदूर श्रेणी में पंजीकृत है। नमन के पिता अर्जुन से प्रदेश के कैबिनेट मंत्री लखन लाल देवांगन ने फोन पर बधाई देते हुए कहा कि यह छत्तीसगढ़ के लिए गौरव का विषय है।

कैबिनेट मंत्री श्री देवांगन ने बताया कि मुख्यमंत्री नोनी बाबू मेधावी छात्र-छात्रा शिक्षा प्रोत्साहन बताया की योजना के तहत कुल दो लाख की राशि नमन को दी जाएगी। इसमें एक लाख रुपए आगे की पढ़ाई हेतु और एक लाख रुपए स्कूटी हेतु दी जाएगी।

कैबिनेट मंत्री श्री देवांगन ने आगे बताया कि मेरिट में आने वाले पंजीकृत श्रमिक के सभी बच्चों को इस योजना का लाभ दिया जाएगा। पिछले वर्ष 12 बच्चों को इस योजना के तहत चेक मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय द्वारा दिया गया था।

रावघाट प्रोजेक्ट में नई रेल लाइन

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव को इस प्रोजेक्ट को स्वीकृति देने के लिए शुक्रिया कहा है।

संवाददाता ➤ रायपुर

बस्तर को रेल से जोड़ने के लिए भारत सरकार के रेल मंत्रालय ने रावघाट-जगदलपुर नई रेल लाइन (140 किमी) परियोजना को मंजूरी दी है। इस परियोजना पर 3513.11 करोड़ रुपए की लागत आएगी, केन्द्रीय बजट से ये राशि इस्तेमाल होगी। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव को इस प्रोजेक्ट को स्वीकृति देने के लिए शुक्रिया कहा है।

ने कहा कि भारत की सरकार ने बस्तर के दूरस्थ और जनजातीय जिलों को रेल नेटवर्क से जोड़ने के इस बहुप्रतीक्षित सपने को साकार करने की दिशा में कदम उठाया है। रावघाट-जगदलपुर रेललाइन से न केवल कोंडागांव और नारायणपुर जैसे पिछड़े जिलों को पहली बार रेल मानचित्र पर स्थान मिलेगा, बल्कि इससे आदिवासी अंचलों में यात्रा, पर्यटन और व्यापार की संभावनाएं भी बढ़ेंगी। यह रेल मार्ग बस्तर

की सुंदर वादियों, ऐतिहासिक स्थलों और जनजातीय संस्कृति तक पर्यटकों की सीधी पहुंच को संभव बनाएगा, जिससे स्थानीय रोजगार और पर्यटन उद्योग को जबरदस्त बढ़ावा मिलेगा।

नक्सलवाद की छाया होगी दूर

छत्तीसगढ़ सरकार की ओर से कहा गया है कि इस रेल परियोजना से नक्सलवाद की छाया दूर करने में मदद मिलेगी। विकास जब गांव-गांव तक पहुंचेगा, तब युवाओं को रोजगार मिलेगा और जब जनजातीय समुदायों को मुख्यधारा से जोड़ने के लिए सुविधाएं सुलभ होंगी, तो हिंसा और भय की जगह उम्मीद और विश्वास का माहौल बनेगा।

पाक बॉर्डर पर ऑपरेशन सिंदूर...रायपुर में सिंदूर खेला:

महिलाएं बोली- हमारी बहनों का सिंदूर पाकिस्तान ने उजाड़ा, उनका देश उजड़ जाएगा

संवाददाता ➤ रायपुर

भारत की पाकिस्तान में की गई सैन्य कार्रवाई ऑपरेशन सिंदूर को लेकर राजधानी रायपुर में देशभक्ति की अनोखी तस्वीर देखने को मिली। बंगाली समाज की महिलाओं ने %सिंदूर खेलाकर इस ऑपरेशन की सफलता का जश्न मनाया।

कालीबाड़ी मंदिर परिसर में महिलाओं ने पारंपरिक 'सिंदूर खेला' करते हुए सेना के साहस को सलाम किया। आमतौर पर दुर्गा पूजा के अंतिम दिन होने वाला यह आयोजन इस बार भारत की सैन्य जीत के नाम रहा।

बंगाली महिलाओं ने खेला होबे से लेकर भारतीय सेना के जिंदाबाद% के नारे लगाए और एक-दूसरे को सिंदूर लगाकर शौर्य का उत्सव मनाया।

बंगाली समाज की महिलाओं ने कहा कि हमें अपनी सेना पर गर्व है। पहलगाम में जिन महिलाओं और बेटियों का सिंदूर उजड़ा उसका जवाब हमारे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और देश की सेना ने दिया है।

ऑपरेशन सिंदूर- भारत की जवाबी कार्रवाई

7 मई 2025 को भारत ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत पाकिस्तान और क्क्ष्य में स्थित 9 आतंकी ठिकानों पर मिसाइल और ड्रोन से हमला किया। यह कार्रवाई 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले के जवाब में की गई थी, जिसमें 26 भारतीय पर्यटकों की जान गई थी।

रक्षा मंत्रालय के अनुसार, जैश-ए-मोहम्मद और लश्कर-ए-तैयबा जैसे आतंकी संगठनों को सीधे निशाना बनाया गया।

एग्जाम के बाद पैरेन्ट्स से डिस्कस करते छात्र

संवाददाता ➤ रायपुर

रायपुर के कुशालपुर की शाम्भवी दीक्षित ने बताया कि पेपर इतना ईजी था कि टाइम से पहले ही सॉल्व हो गया। 11वीं और 12वीं के सिलेबस में 11वीं से सवाल ज्यादा पूछे गए और कॉमन सवाल ही ज्यादातर थे।वहीं बिलाईगढ़ से रायपुर परीक्षा देने आए अनिल कुमार पटेल ने कहा, सारे सवाल 11वीं-12वीं के ही सिलेबस से पूछे गए थे, और सवाल बेसिक लेवल के थे।

नीट की तैयारी कर रही टोमिन चुरेन्द्र ने कहा, मैंने अलग से क्क्क।ज्ञ की तैयारी नहीं की थी, फिर भी पेपर बहुत अच्छा गया। टोमिन ने अच्छा स्कोर आने की उम्मीद जताई।वहीं आरती देवांगन का कहना था - ना पेपर बहुत आसान था और ना ही बहुत कठिन, सामान्य लेवल का रहा। परीक्षा केंद्र की व्यवस्था को लेकर हाजरा निशा ने बताया कि सेंटर में कोई परेशानी नहीं हुई, सब कुछ अच्छे से मैनेज था।

जून तक आएंगे नतीजे

इसी दिन सुबह क्क्षज्ञ परीक्षा में भी बड़ी संख्या में छात्र शामिल हुए। पूरे प्रदेशभर में छात्रों ने एग्जाम दिया और किसी केंद्र से गड़बड़ी की खबर नहीं आई। व्यापमं की ओर से पहले ही एडमिट कार्ड जारी किए गए थे और परीक्षा के दौरान मोबाइल, स्मार्टवॉच जैसे गैजेट्स पर रोक रही।

छत्तीसगढ़ में बिजनेसमैन की पत्नी के 65 लाख के हीरे चुराए, कोलकाता में 11 लाख में बेचा

ट्रेन के सेकेंड-क्लास में सीट बुक कर चोरी:

संवाददाता ➤ रायपुर

छत्तीसगढ़ में गोंदिया से रायपुर आ रही शिवनाथ एक्सप्रेस के एसी कोच से 65 लाख के सोने-हीरो के ज्वेलरी की चोरी हो गई। चोरों ने गहनों को कोलकाता के एक ज्वेलर्स के पास 11 लाख रुपए में बेच दिया। चोरी करने चोरों ने सेकेंड क्लास में अपनी सीट भी बुक कराई थी।

अब रेलवे पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। रायपुर रेलवे एसपी श्वेता श्रीवास्तव सिन्हा ने बताया कि, 4 अप्रैल को महाराष्ट्र-गोंदिया के रहने वाले बिजनेसमैन दिनेश भाई पटेल की पत्नी हिना शिवनाथ एक्सप्रेस से रायपुर आ रही थी। वो गोंदिया से ट्रेन पकड़ी और,-1 कोच में सवार हुई थी।

बिजनेसमैन दिनेश भाई पटेल की पत्नी हिना शिवनाथ एक्सप्रेस से रायपुर आ रही थी।

बिजनेसमैन दिनेश भाई पटेल की पत्नी हिना शिवनाथ एक्सप्रेस से रायपुर आ रही थी।

चोरों ने सुबह गायब किया पर्स

सुबह 4 से 4.30 बजे करीब राजनांदगांव पहुंची तब उनकी आंख लग गई। आधे घंटे बाद 5 बजे दुर्ग से ट्रेन छूटने के बाद उन्होंने देखा कि उनका पर्स गायब है। उन्होंने काफी खोजबीन की, लेकिन जब पर्स नहीं मिला तो रायपुर रेलवे स्टेशन पर उतरकर मामले की शिकायत दर्ज कराई।

महिला की शिकायत के आधार पर यह चोरी राजनांदगांव से भिलाई-3 रेलवे स्टेशन के बीच हुई है। इसलिए रायपुर में जीरो में अपराध दर्ज करने के बाद जीआरपी थाना भिलाई-3 में मामला दर्ज किया गया। शिकायत दर्ज करने के बाद रेलवे पुलिस आरोपी की तलाश में जुट गई थी।

65 लाख रुपए की थी हीरे की ज्वेलरी

हीना ने पुलिस को बताया कि उसके बैग में एक 35 लाख का हार और 25 लाख का हार था। साथ ही लगभग 5 लाख रुपए की हीरे की चार अंगूठी थी। पर्स में कुल 65 लाख रुपए की ज्वेलरी, 45 हजार रुपए कैश और मोबाइल भी रखा हुआ था।

रेलवे एसपी श्वेता श्रीवास्तव सिन्हा ने बताया कि आरोपियों ने 65 लाख के हीरे के गहनों को कोलकाता में एक ज्वेलर्स को 11 लाख में बेच दिए थे।

रेलवे एसपी श्वेता श्रीवास्तव सिन्हा ने बताया कि आरोपियों ने 65 लाख के हीरे के गहनों को कोलकाता में एक ज्वेलर्स को 11 लाख में बेच दिए थे।

फर्जी नाम से की थी बुकिंग

इस मामले में पुलिस ने बोगी में सवार सभी यात्रियों के बारे में छानबीन शुरू की। इसके अलावा स्टेशन के सीसीटीवी फुटेज भी खंगाले गए। जानकारी मिली कि सुरेश कुमार और मोहम्मद सलीम नाम के दो सवारियों का नाम फर्जी है। इनका असली नाम अब्दुल मन्नान और संतोष उर्फ अफरीदी है। पुलिस ने टेक्निकल इनपुट के आधार पर दोनों की लोकेशन राउलकेला ओडिशा में पाई।

कोलकाता में हीरे बेचकर ऑनलाइन रुपए लिए

पुलिस ने दोनों आरोपियों को ओडिसा से गिरफ्तार किया। आरोपियों से पूछताछ उन्होंने जुर्म कबूल कर लिया। आरोपियों ने 65 लाख कको 11 लाख में बेच दिए थे।

09-MAY -25 Ek Sat Buletin Rai:09-MAY -25 Ek Sat Buletin Rai.qxd 09-May-25 4:14 AM Page 4

न्यूज ब्रीफ

म.प्र. शासन का बड़ा फैसला

भोपाल । राज्य शासन ने शासकीय सेवकों को बड़ी राहत देते हुए मंहगाई भत्ते की दर में वृद्धि का आदेश जारी किया है।

दो चरणों में बढ़ेगा आदेशानुसार, सातवें वेतनमान के तहत आने वाले कर्मचारियों को वर्तमान 50त्न महंगाई भत्ते के स्थान पर दो चरणों में बढ़ा हुआ भत्ता मिलेगा। एक जुलाई 2024 से मंहगाई भत्ता 3त्न बढ़कर 53त्न किया गया है, जिसका भुगतान अगस्त 2024 के वेतन में होगा।इसी तरह 1 जनवरी 2025 से इसमें और 2त्न की वृद्धि कर इसे कुल 55त्न कर दिया जाएगा, जिसका भुगतान फरवरी 2025 के वेतन के साथ किया जाएगा।

मई 2025 से मिलेगा लाभ, एरियर 5 किश्तों में

राज्य शासन ने स्पष्ट किया है कि इस वृद्धि का वास्तविक लाभ 1 मई 2025 से दिया जाएगा और 1 जुलाई 2024 से 30 अप्रैल 2025 तक की एरियर राशि का भुगतान जून से अक्टूबर 2025 के बीच 5 किश्तों में किया जाएगा।

सेवानिवृत्त व दिवंगत कर्मियों को एकमुश्त भुगतान 1 जुलाई 2024 से 31 मई 2025 के बीच सेवानिवृत्त हो चुके शासकीय कर्मचारियों को एरियर की पूरी राशि का एकमुश्त भुगतान किया जायेगा। इसी तरह एक जुलाई 2024 से 31 मई 2025 की अवधि में मृत कर्मचारियों के परिजनों को एरियर की पूरी राशि एकमुश्त प्रदान की जाएगी।

अन्य निर्देश 50 पैसे या उससे अधिक की राशि को अगले पूर्णांक रुपए में पूर्णांकित किया जाएगा। मंहगाई भत्ते का कोई भी भाग वेतन के रूप में नहीं माना जाएगा। इस भुगतान का व्यय संबंधित विभाग के चालू वित्तीय वर्ष के स्वीकृत बजट प्रावधान से अधिक नहीं होना चाहिए।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव करेंगे जनजातीय शिल्प ग्राम महोत्सव का शुभारंभ

भोपाल । मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव शुक्रवार 9 मई, 2025 को रवीन्द्र भवन के हंस ध्वनि सभागार में दोपहर 1-30 बजे जनजातीय शिल्प ग्राम महोत्सव का शुभारंभ करेंगे। जनजातीय कार्य मंत्री डॉ. कुँवर विजय शाह कार्यक्रम की अध्यक्षता करेंगे।

जनजातीलय कार्य विभाग और राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान भोपाल के सहयोग से होने वाले इस महोत्सव में जीआई टैग प्राप्त गोंड पेंटिंग के 4 कलाकारों को मुख्यमंत्री द्वारा ऑथोराइज्ड यूजर कार्ड वितरित किये जायेंगे। साथ ही आदि रंग'' परियोजना के शुभारंभ प्रतीक स्वरूप एनआईसी द्वारा विकसित प्रशिक्षण किट हितग्राहियों को वितरित की जायेगी। शुभारंभ कार्यक्रम में बादल भोई जनजातीय स्वतंत्रता संग्राम सेनानी संग्रहालय की कॉफी टेबल बुक का विमोचन भी होगा।

महोत्सव में आदि शिल्प, जनजातीय व्यंजन के साथ जनजातीय नृत्य एवं संगीत की प्रस्तुति भी होगी।

दादाजी धाम मंदिर में एकादशी से बुद्ध पूर्णिमा तक पूजन की श्रृंखला रहेगी

भोपाल ।दादाजी धाम मंदिर रायसेन रोड पटेल नगर भोपाल में एकादशी पर गुरुवार भगवान विष्णुऔर माता लक्ष्मी की पूजा-अर्चना किया गया। एवं शुक्रवार को प्रदोष व्रत पर शिव भक्त शिव जी की पूजा-अर्चना के लिए उमड़ेंगे भक्त,शिवजी का पुष्पों से श्रृंगार,जलाभिषेक और आरती होगी।रविवार को भगवान विष्णु के नृसिंह अवतार का प्रकटोत्सव मेंदादाजी धाम मंदिर रायसेन रोड पटेल नगर मे नृसिंह भगवान की प्रतिमाएं विराजमान हैं। पूजन, हवन आरती की जाएगी की उसके पश्चात प्रसाद वितरण किया जाएगा वहीं सोमवार 12 मई को बुद्ध पूर्णिमा पर दादाजी धाम मंदिर के गर्भगृह परिक्रमा में विराजमान भगवान बुद्ध की प्रतिमा पर भक्तों द्वारा पूजा -अर्चना की जाएगी भगवान बुद्ध की वंदना करेंगे। इसके बाद प्रसाद वितरण किया जाएगा आप सभी भक्त सभी कार्यक्रम में उपस्थित होकर पुण्य लाभ प्राप्त करें।

भारत के भाल पर जीत का सिंदूर-गुप्ता

भोपाल । पहलगाम में 22 अप्रैल को निर्दोष लोगों की हत्या पर पूरे देश में आक्रोश था। प्रत्येक नागरिक इस घटना में पाकिस्तान को जिम्मेदार बताते हुए उनके द्वारा पाले जा रहे आतंकवादियों पर बड़ी कार्रवाई की मांग कर रहा था। भारतीय फौज द्वारा बीती रात पाकिस्तान के 9 आतंकी ठिकानों पर एयर स्ट्राइक करते हुए कई आतंकवादियों का सफाया कर दिया। इस पर खुशी मनाते हुए अन्तर्राष्ट्रीय वैश्य महा सम्मेलन के प्रदेश युवा इकाई के कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष आशीष गुप्ता अग्रवाल ने जश्न मनाया। हाथों में तिरंगा लेकर जमकर आतिशबाजी चलाई गई।

मेडिटेक टेक्सटाइल सेक्टर की पहली अत्याधुनिक यूनिट लिखेगी औद्योगिक विकास का नया अध्याय : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

अचारपुरा में 160 करोड़ के निवेश के साथ 200 से अधिक लोगों को मिलेगा रोजगार

सांवददाता ➢ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि भोपाल के अचारपुरा औद्योगिक क्षेत्र में मेडिटेक टेक्सटाइल सेक्टर की पहली अत्याधुनिक यूनिट का निर्माण कार्य तेज़ी से चल रहा है। उन्होंने इसे मध्यप्रदेश के औद्योगिक विकास का नया अध्याय बताते हुए कहा कि टेक्नोलॉजी आधारित उत्पादन इकाइयों का आना, इस बात का प्रमाण है कि प्रदेश अब पारंपरिक के साथ विशेषीकृत और उच्च गुणवत्ता वाले उद्योगों के लिए भी पसंदीदा स्थल बन चुका है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि इस यूनिट से न केवल भोपाल बल्कि पूरे प्रदेश को उद्योग के क्षेत्र में नई पहचान मिलेगी। मेडिटेक टेक्सटाइल सेक्टर का यह निवेश, मध्यप्रदेश को मेडिकल टेक्सटाइल, हाईजीन और हेल्थ सपोर्टिंग टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में नई ऊंचाई देगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने स्पष्ट कहा कि राज्य सरकार निवेश लाने की नीति पर नहीं, निवेश को जमीन पर उतारने की कार्य संस्कृति पर काम कर रही है।

इस यूनिट का निर्माण जर्मनी की विश्व प्रसिद्ध टीडब्ल्यूई ग्रुप और भारत के अनुभवी ओबीटी ग्रुप के संयुक्त सहयोग से किया जा रहा है। टीडब्ल्यूई ओबीटी प्रा. लि. नामक यह कंपनी अचारपुरा में लगभग 160 करोड़ रु. की लागत से उच्च तकनीक आधारित उत्पादन संयंत्र स्थापित कर रही है। यूनिट में महिलाओं और बच्चों के हाईजीन उत्पादों में प्रयुक्त टेक्सटाइल कंपोनेंट्स जैसे,ष्ठरु टॉप शीट और बैक शीट का निर्माण किया जाएगा।इन उत्पादों की भारत में अब तक आयात पर निर्भरता रही है। यह यूनिट चालू होने पर देश को आत्मनिर्भर बनाएगी और मेडिटेक टेक्सटाइल उत्पादों में मेक इन इंडिया को वैश्विक प्रतिस्पर्धा में स्थापित करेगी। उत्पादन के पहले चरण में ही 200 से अधिक लोगों को रोजगार मिलने जा रहा है, वहीं यूनिट के स्केल बढ़ने पर यह संख्या कई गुना तक पहुंचने की संभावना है।

प्रदेश सरकार द्वारा विकसित अचारपुरा इंडस्ट्रियल एरिया में यह यूनिट एक उदाहरण बनेगी कि कैसे सुव्यवस्थित बुनियादी ढांचा और उद्योगों के अनुकूल माहौल किसी भी वैश्विक निवेशक के लिए भरोसे का केंद्र बन सकता है। कंपनी ने उपलब्ध ज़मीन, बिजली, परिवहन और अन्य सुविधाओं को निर्माण के लिए उपयुक्त बताया है। तकनीकी मानकों पर यह यूनिट भारत में अपने क्षेत्र की पहली अत्याधुनिक फैक्ट्री होगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश सरकार ने स्पष्ट विजन के साथ नई औद्योगिक रणनीति अपनाई है जिसमें 'निवेश और निर्माण' को साथ लेकर चलना प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि निवेशक अब मध्यप्रदेश में तेज़ फैसलों, सहज प्रक्रियाओं और भरोसेमंद माहौल के चलते बड़े निर्णय ले रहे हैं। मेडिटेक टेक्सटाइल जैसे अत्याधुनिक क्षेत्र में इस तरह का निवेश इसी विश्वास का परिणाम है। यूनिट के निर्माण में ग्रीन बिल्डिंग और पर्यावरणीय संतुलन का भी विशेष ध्यान रखा गया है। यहां बिना बॉयलर के संचालन होगा और उत्पादन प्रक्रिया से जल अथवा वायु प्रदूषण नहीं होगा। हाईजीन और हेल्थ सेक्टर से जुड़ी यह यूनिट स्वच्छ भारत और आत्मनिर्भर भारत की दृष्टि से भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाने जा रही है। टीडब्ल्यूई ओबीटी प्रा. लि. की ओर से बताया गया कि यह यूनिट पूरे देश में उनकी पहली और प्रमुख इकाई होगी। यह मेडिटेक टेक्सटाइल के क्षेत्र में देश में तकनीकी उत्पादन की शुरुआत मानी जाएगी।

तकनीकी एवं व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में प्रवेश लीजिए, कौशल सीखिए एवं राष्ट्र निर्माण में सहभागी बनिए : मंत्री श्री परमार

प्रदेश में तकनीकी एवं व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ, मार्गदर्शिका जारी

सांवददाता ➢ भोपाल

उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री श्री इन्दर सिंह परमार ने गुरुवार को मंत्रालय स्थित प्रतिकक्ष में तकनीकी शिक्षा विभाग अंतर्गत तकनीकी एवं व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में प्रवेश प्रक्रिया को लेकर तैयार विस्तृत मार्गदर्शिका का विमोचन किया। इस अवसर पर आयुक्त तकनीकी शिक्षा अवधेश शर्मा सहित अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

तकनीकी शिक्षा मंत्री श्री परमार ने कहा कि राज्य सरकार शिक्षा को सर्वसुलभ, गुणवत्तापूर्ण और रोजगारोन्मुखी बनाने हेतु सतत प्रयत्नशील है। शासन द्वारा विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत छात्रवृत्ति एवं अन्य सुविधाएं भी प्रदान की जाती है।

मंत्री श्री परमार ने कहा कि प्रदेश में तकनीकी एवं व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ हो चुकी है। विद्यार्थियों की सुविधा एवं मार्गदर्शन के लिए एक विस्तृत मार्गदर्शिका उपलब्ध कराई जा रही है, जिसमें पाठ्यक्रमों की जानकारी, पात्रता एवं प्रवेश के लिए आवेदन की प्रक्रिया उपलब्ध है।

मंत्री श्री परमार ने विद्यार्थियों से अपील करते हुए, उन्हें कौशल आधारित इन पाठ्यक्रमों में प्रवेश लेने के लिए आमंत्रित किया है। मंत्री श्री परमार ने विद्यार्थियों से कहा कि उक्त पाठ्यक्रमों में प्रवेश लीजिए, कौशल सीखिए एवं राष्ट्र निर्माण में सहभागी बनिए। मंत्री श्री परमार ने विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की अग्रिम हार्दिक शुभकामनाएँ भी प्रेषित की है।

हर घर नल से जलः जल जीवन मिशन से गांवों में आई मुस्कान, स्वास्थ्य, सम्मान और स्थायित्व की नई धारा

जो स्वास्थ्य, स्वच्छता, आत्मनिर्भरता और समानता के पक्ष को मजबूत कर रहा है

सांवददाता ➢ भोपाल

गांवों की सुबह अब बदल गई है। बाल्टी लेकर दूर-दूर तक पानी लाने का संघर्ष बीते दिनों की बात हो चुकी है। अब घर के आंगन में नल से गिरता पानी केवल सुविधा नहीं, बल्कि गरिमा, सुरक्षा और विश्वास का प्रतीक बन गया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में शुरू हुआ जल जीवन मिशन आज ग्रामीण भारत की तस्वीर को जमीनी स्तर पर बदल रहा है और मध्यप्रदेश इसमें एक मिसाल बनकर उभरा है।

बालाघाट जिले ने 96 प्रतिशत से अधिक ग्रामीण घरों में नल से जल पहुंचाकर यह सिद्ध कर दिया है कि सुनियोजित प्रयासों से हर घर तक शुद्ध पेयजल सुनिश्चित किया जा सकता है। इस मिशन के चलते वहां के गांवों में अब बीमारियों का बोझ घटा है, महिलाएं और बच्चियां राहत महसूस कर रही हैं और लोगों को स्वच्छ जीवन की आदतें सहजता से अपनाने का अवसर मिला है। इसी दिशा में हरदा जिले ने भी 96 प्रतिशत से अधिक ग्रामीण परिवारों को इस योजना से जोड़ते हुए गांवों में स्वास्थ्य, स्वच्छता और आत्मनिर्भरता की एक नई लकीर खींच दी है।

इंदौर जिले ने तो लगभग सम्पूर्ण लक्ष्य प्राप्त करते हुए 99.94 प्रतिशत ग्रामीण परिवारों को नल जल सुविधा से जोड़ दिया है। इंदौर जैसे जिले, जहां शहरी चमक के साथ ग्रामीण विस्तार भी मौजूद है, वहां यह कार्यक्षमता दिखाना साबित करता है कि यह योजना हर क्षेत्र में समान रूप से कारगर हो रही है। दूसरी ओर नर्मदापुरम जिले ने भी 84प्रतिशत ग्रामीण घरों में नल जल कनेक्शन देकर साफ किया है कि वह भी इस परिवर्तन का सक्रिय भागीदार है और यहां की ग्राम पंचायतों ने जनसहभागिता से जल पहुंच को आसान और प्रभावशाली बनाया है।

इस बदलाव ने न केवल स्वास्थ्य के स्तर को ऊंचा उठाया है, बल्कि सामाजिक ढांचे में भी सकारात्मक हस्तक्षेप किया है। शुद्ध, सुलभ, घर-घर पहुंचता पेयजल अब डायरिया, टायफाइड, हेपेटाइटिस जैसी बीमारियों को जड़ों से समाप्त कर रहा है। शौचालयों का उपयोग बढ़ा है, स्वच्छता की आदतें मज़बूत हुई हैं और बच्चों की स्कूल में उपस्थिति बेहतर हुई है। महिलाएं अब घर से बाहर निकलकर कृषि, शिक्षा और छोटे व्यवसायों में सक्रिय हो रही हैं, क्योंकि उनका कीमती समय पानी के लिए नहीं बल्कि प्रगति के लिए व्यतीत हो रहा है।

लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री श्रीमती संपतिया उइके ने इस मिशन की सफलता को धरातल तक पहुंचाने में सशक्त भूमिका निभाई है। उनकी सतत निगरानी, जिलों में की गई यात्राएं और जनप्रतिनिधियों से संवाद ने यह सुनिश्चित किया है कि यह योजना कागज़ पर नहीं, बल्कि धरातल पर उतर रही है। उनके मार्गदर्शन में मिशन को न केवल रफ्तार मिली है, बल्कि यह एक जन आंदोलन का स्वरूप भी ले चुका है।

हर घर नल से जल अब केवल एक योजना नहीं, बल्कि ग्रामीण भारत की जीवन का एक ऐसा अभिन्न भाग बन गया है जो स्वास्थ्य, स्वच्छता, आत्मनिर्भरता और

अब विशेषज्ञ डॉक्टरों से सीधे हो सकेगी बात

टेली मेडिसिन का सफल क्रियान्वयन और पीएचसी की भीड़ बीएमसी के परफॉर्मेंस ऑडिट की तरह करेगा कार्य- उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल

बीएमसी सागर में टेली मेडिसिन सेंटर का किया शुभारंभ

सांवददाता ➢ भोपाल

उप मुख्यमंत्री एवं सागर जिले के प्रभारी राजेन्द्र शुक्ल ने बुंदेलखंड मेडिकल कॉलेज सागर में टेली मेडिसिन सेंटर का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि अब विशेषज्ञ डॉक्टरों से सीधे मरीज की बात हो सकेगी एवं उचित उपचार प्राप्त हो सकेगा। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की भीड़ एवं बुंदेलखंड मेडिकल कॉलेज में स्थापित टेली मेडिसिन सेंटर में आने वाले कॉल्स की संख्या बीएमसी के परफॉर्मेंस ऑडिट की तरह कार्य करेगी। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि टेली मेडिसिन योजना प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी

एवं केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जे.पी. नड्डा की प्राथमिकता वाली योजना है। योजना से गांव-गांव के पीड़ित व्यक्ति को विषय विशेषज्ञ डॉ. की निशुल्क सलाह मिल सकेगी एवं उनका समय पर इलाज हो सकेगा। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने निर्देश दिए कि सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों सहित विशेष रूप से आरोग्य मंदिरों में टेली मेडिसिन सुविधा शुरू की जाए। डॉक्टरों की सूची चस्पा की जावे एवं उनके फोन नंबर भी संबंधित सीएचओ, बीएमओ को उपलब्ध कराएं जिससे आवश्यकता पड़ने पर तत्काल टेली मेडिसिन/ वीडियो कॉन्फ्रेंस/वर्चुअल माध्यम से उनका उपचार दिया जा सके।

प्रॉपर्टी विवाद में बहू को गोली मारने वाले ससुर पर हत्या के प्रयास का मामला दर्ज

सांवददाता ➢ भोपाल

देहात क्षेत्र के परवलिया थाना इलाके में जमीनी विवाद हो लेकर हुए झगड़े में गुस्साये ससुर ने 12 बोर की लाइसेंसी बंदूक से बहू पर फायर कर दिया। गनीमत रही की गोली महिला के बाएं हाथ की कोहनी में लगी। उसे इलाज के लिये अस्पताल पहुंचाया गया जहॉ सर्जरी कर गोली निकाली गई। बताया जा रहा है कि घटना के समय महिला का पति पास ही खड़ा था। थाना पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार बुधवार शाम करीब 4 बजे आरोपी ससुर ईश्वर सिंह का प्रॉपर्टी को लेकर बेटे नरेश से झगड़ा हो गया था। काफी देर तक दोनो के बीच कहासुनी होती रही। इस दौरान उसकी बहू संगीता लवाना (32) भी बेटे के पास ही खड़ी थी। बेटे की आपत्तिजन बातों से गुस्साया ईश्वर सिंह भीतर गया और 12 बोर की बंदूक निकाल लाया। उसने बेटे-बहू की तरफ फायर कर दिया। बंदूक से निकली

गोली बहु संगीता के बाएं हाथ की कोहनी में लगी। गोली लगते ही संगीता बेसूध होकर गिर गई। पति और परिवार के अन्य लोग उसे इलाज के लिये अस्पताल लेकर गये। बताया जा रहा है, कि झगड़े के बाद आरोपी ईश्वर सिंह अपने बेटे को मारना चाहता था। इस बीच पति को बचाने के लिए पत्नी संगीता आगे आ गई। पुलिस का कहना है की जल्द ही घायल महिला के बयान दर्ज किए जाएंगे।

मरीज को बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय स्थित हेलीपेड से एयर लिफ्ट करने की हुई मॉकड्रिल

पीएम श्री एयर एम्बुलेंस सेवा हो रही है अब और भी कुशल

सांवददाता ➢ भोपाल

आपातकाल में नागरिकों को उच्च स्तरीय चिकित्सा सेवा उपलब्ध कराने पीएम श्री एयर एम्बुलेंस सेवा से कई जिंदगियों को बचाया जा रहा है। सेवा में और तेजी लाने करने के लिए भोपाल में मॉकड्रिल की गई। इस दौरान डमी मरीज को बरकतउल्लाह यूनिवर्सिटी में बनाए गए हेलीपेड से एयर लिफ्ट किया गया। इसके पहले भोपाल विमानतल से उड़कर बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय पहुंचे एयर एम्बुलेंस को लैंड करवाकर टेस्टिंग की गई ।

पीएम श्री एयर एम्बुलेंस सेवा से समय-समय पर कई ज़िंदगियों को बचाया जा चुका है। ऑर्गन ट्रांसप्लांट एवं गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान भोपाल सर्व सुविधायुक्त अस्पताल है। यहां से रेफर किए गए मरीजों को पूर्व में भी पीएम श्री एंबुलेंस के माध्यम से लिफ्ट कर उपचार के लिए भेजा गया है साथ ही प्रदेश के दूसरे जिलों से रोगियों को उपचार के लिए एम्स लाया जाता है।बरकतउल्ला

विश्वविद्यालय स्थित हेलीपैड के अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान से नजदीक होने के कारण मरीज को शीघ्र ही उपचार के लिए भेजा जा सकता है तथा आवश्यकता पड़ने पर बाहर भी भेजा जा सकता है। भोपाल विमानतल तक पहुंचने में लगने वाले समय की अवधि को कम करने के उद्देश्य से इस मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। पीएम श्री एयर एम्बुलेंस सेवा से प्रदेश में कहीं भी चिकित्सा आपात स्थिति उत्पन्न होने या चिन्हित विशेष प्रकार की चिकित्सा सुविधा या चिकित्सा विशेषज्ञों की आवश्यकता निर्मित होने पर कठिन भौगोलिक परिस्थिति में प्रदेश के दूरस्थ अंचलों तक पहुंचकर उन्नत आपातकालीन चिकित्सा द्वारा मरीजों की को स्थिर कर उच्च चिकित्सा केन्द्रों तक एयर लिफ्ट किये जाने की सेवा प्रदाय की जाती है। पीएम श्री एयर एम्बुलेंस सेवा सड़कों एवं औद्योगिक स्थलों में होने वाले हादसों, प्राकृतिक आपदा में गंभीर पीड़ित घायल व्यक्ति को त्वरित उपचार के लिये हवाई परिवहन सुविधा उपलब्ध कराई जाती है।

09-MAY -25 Ek Sat Buletin Rai:09-MAY -25 Ek Sat Buletin Rai.qxd 09-May-25 4:14 AM Page 5

वहीं आरसीबी की बल्लेबाजी विराट के अलावा कप्तान रजत पाटीदार पर निर्भर है

आईपीएल में आज आरसीबी का सामना करेगी सुपर जायंट्स

लखनऊ । आईपीएल में शुक्रवार को लखनऊ सुपर जायंट्स की टीम अपने घरेलू मैदान पर रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) का सामना करेगी। इकाना स्टेडियमय में होने वाले इस मैच में सुपर जायंट्स जीतने के लिए अपनी पूरी ताकत लगा देगी क्योंकि अब एक भी हार उसके प्लेऑफ की दौड़ से बाहर कर देगी। उसके अभी 10 अंक हैं और आने वाले तीनों की मैच उसे जीतने होंगे हालांकि उसके लिए आरसीबी का सामना करना आसान नहीं होगा। आरसीबी ने अब तक शानदार प्रदर्शन किया है और उसका मनोबल भी काफी बढ़ा हुआ है। उसके अभी 16 अंक हैं और उसे प्लेऑफ में जगह बनाने केवल एक जीत की जरुरत है।

आंकड़ों पर नजर डाले तो इस मैच में आरसीबी का पलड़ा हल्का भारी नजर आता है। यहां लखनऊ सुपर जायंट्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के बीच अब तक कुल पांच आईपीएल मुकाबले हुए हैं, जिसमें आरसीबी ने 3 और एलएसजी ने 2 जीते हैं। इससे साफ है कि दोनों टीमें एक-दूसरे को कड़ी टक्कर देती हैं और मामला एकतरफा नहीं है। इकाना स्टेडियम की पिच गेंदबाजों की सहयक रही है। ऐसे में यहां बल्लेबाजों के लिए रन बनाना आसान नहीं होगा। सुपर जाइंट्स की सबसे बड़ी परेशानी उसके कप्तान और प्रमुख बल्लेबाज ऋषभ पंत का अबतक असफल होना है, उसकी बल्लेबाजी अब तक निकोलस पूरन पर ही टिकी रही है पर जीत के लिए अन्य बल्लेबाजों को भी रन बनाने होंगे। मयंक यादव के आने से टीम की गेंदबाजी मजबूत हुई है। वहीं आरसीबी की बल्लेबाजी विराट के अलावा कप्तान रजत पाटीदार पर निर्भर है।

केकेआर को प्लेऑफ की संभावनाएं बनाये रखने जीतने होंगे दोनो मैच

मुम्बई । आईपीएल के इस सत्र में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) की टीम को चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के खिलाफ मिली हार से नुकसान हुआ है और उनकी प्लेऑफ की संभावनाएं कम हुई हैं पर समाप्त नहीं हुई हैं। केकेआर के अबतक 12 मैचों में 11 अंक है और टीम आईपीएल 2025 अंक तालिका में छठे स्थान पर है। केकेआर को अभी लीग स्तर पर दो मैच और खेलने हैं और अगर टीम यह दोनों मैच जीतने में सफल रहती है तो वह अधिकतम 15 अंकों तक पहुंच सकती है।

वहीं केकेआर अब दो में से एक भी मैच हारती है तो वह प्लेऑफ से बाहर हो जाएगी। वहीं अगर टीम 15 अंक तक पहुंचने में सफल् रहती है तो उसे मुंबई इंडियंस, दिल्ली कैपिटल्स और लखनऊ सुपर जाएंट्स के परिणामों पर नजर रखनी होगी। मुम्बई अपने सभी मैच जीते तो 18, दिल्ली कैपिटल्स 19 जबकि सुपर जाएंट्स 16 अंक तक पहुंच सकती है।

केकेआर ऐसे में चाहेगी कि मुंबई और दिल्ली 2-2 जबकि सुपर जाएंट्स एक मैच हार जाये। इस स्थिति में केवल दिल्ली के ही कोलकाता के बराबर 15 अंक होंगे।

राणा आईपीएल से बाहर हुए, प्रीटोरियस शामिल

नई दिल्ली । राजस्थान रॉयल्स के बल्लेबाज नितीश राणा आईपीएल से बाहर हो गये हैं। राणा की जगह पर दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाज लुआन-ड्रे प्रीटोरियस को शामिल किया गया है। प्रीटोरियस को 30 लाख रुपए के आधार मूल्य पर टीम के साथ जोड़ा गया है। रॉयल्स की टीम हालांकि प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो गयी है। । हालांकि उन्हें लीग स्तर के बचे दो और मुकाबले खेलने हैं। ऐसे में टीम इस विदेशी खिलाड़ियों को वह अगले सत्र के लिए जांच रही हैं। राणा की जगह पर शामिल प्रीटोरियस ने 33 टी20 मैच खेले हैं और 97 के उच्चतम स्कोर के साथ 911 रन बनाए हैं। वह रॉयल्स में अपने आधार मूल्य 30 लाख में शामिल किय गये हैं। राणा ने इस सीजन 11 मैच में दो अर्धशतक सहित 217 रन बनाये हैं।

प्रीटोरियस दक्षिण अफ्रीका के विकेट कीपर बल्लेबाज हैं, जिन्होंने हाल ही में लीग के दौरान अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से हर किसी का ध्यान अपनी ओर खींचा था। प्रीटोरियस ने 33 टी20 मैच खेले हैं और 911 रन बनाए हैं, जिसमें उनका सबसे अधिक स्कोर 97 रहा है, जो इस साल की शुरुआत में एसए 20 टीम पार्ल रॉयल्स के लिए उनके डेब्यू पर आया था। वह एसए 20 टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी थे, जिन्होंने 12 पारियों में 166.8 की स्ट्राइक रेट से 397 रन बनाए हैं।

खेलो इंडिया यूथ गेम्स पटना में विष्णुकांत सहाय होंगे निर्णायक

भोपाल/इन्दौर । सेंट जोसेफ कान्वेंट स्कूल ईदगाह हिल्स, भोपाल के खेल शिक्षक व मध्य प्रदेश एथलेटिक्स संघ के वरिष्ठ तकनिकी अधिकारी विष्णुकांत सहाय को एथलेटिक्स फेडरेशन आफ इण्डिया ने खेलो इंडिया यूथ गेम्स पटना में एथलेटिक्स के लिए निर्णायक नियुक्त किया है। उल्लेखनीय है की विष्णुकांत सहाय कॉमनवेल्थ खेल सहित देश में आयोजित अनेकों राष्ट्रिय व अंतरराष्ट्रीय एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में निर्णायक की भूमिका निभा चुके है। इस अवसर पर विद्यालय की प्राचार्या डॉ. सिस्टर लिली, उप प्राचार्य सिस्टर स्टेनिया खेल विभाग के विभागाध्यक्ष रवदीप सिंह मल्हारी खेल शिक्षक जीतेन्द्र शुक्ला, अमनदीप कौर, कीर्ति गोस्वामी व विद्यालय विद्यालय परिवार के सभी सदस्यों, एथलेटिक्स फेडरेशन आफ इंडिया के पूर्व उपाध्यक्ष मुमताज़ खान के साथ मध्य प्रदेश एथलेटिक्स संघ के अध्यक्ष अमानत खान, सचिव ए मुरलीधर, एम.पी. राव, डॉ. राजेश मिश्रा के साथ संघ के सभी सदस्यों ने हर्ष व्यक्त करते हुए बधाई दी।

युवराज सहित कई क्रिकेटरों ने रोहित के योगदान को सराहा और उन्हें शांत योद्धा' बताया

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा के टेस्ट क्रिकेट से संन्यास की घोषणा के साथ ही एक युग का समापन हो गया। रोहित ने अपनी कप्तानी में भारतीय टीम को लगातार आगे बढ़ाया। वह एक सफल नेतृत्वकर्ता' के रूप में उभरे और 'ड्रेसिंग रूम में उनकी कमी हमेशा खेलेगी। वह अब केवल एकदिवसीय क्रिकेट में ही खेलेंगे। रोहित के टेस्ट क्रिकेट से संन्यास पर प्रशंसकों के साथ ही क्रिकेटरों ने भी उनकी सराहना की है। भारतीय टीम के पूर्व ऑलराउंडर युवराज सिंह ने उन्हें एक 'शांत योद्धा' बताया।

युवराज ने कहा, 'टेस्ट क्रिकेट में आपसे बहुत कुछ अपेक्षित है - जज्बा, धैर्य और चरित्र। भाई, आपने इसमें अपना सब कुछ लगा दिया और इसे बेहद सहज बना दिया। एक शांत योद्धा से लेकर शीर्ष पर एक नेतृत्वकर्ता तक, आपकी यात्रा विशेष रही है। आप पर गर्व है, शुभकामनाएं।'

वहीं विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत ने टेस्ट टीम में रोहित की अनुपस्थिति के कारण पैदा हुए भावनात्मक शून्य को दोहराया।

विराट के समर्थन में उतरे चहल , क्रुणाल ने वैद्य को अनफॉलो किया

नई दिल्ली । बॉलीवुड सिंगर राहुल वैद्य को भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान विराट कोहली पर व्यंग्य कसना भारी पड़ गया है। ये विवाद तब शुरु हुआ जब विराट ने कहा कि उन्होंने अभिनेत्री अवनीत कौर की तस्वीरों को लाइक नहीं किया था बल्कि ये तस्वीरें इंस्टाग्राम की गलती की वजह से लाइक हुई। इसके बाद वैद्य ने कोहली पर तंज कसा और कहा कि उन्होंने फोटो-शेयरिंग प्लेटफॉर्म पर उन्हें ब्लॉक कर दिया है। इसके बाद कोहली के समर्थन में उतरे क्रिकेटर युजवेंद्र चहल ने कहा कि उन्होंनें और क्रुणाल पंड्या ने भी वैद्य को अनफॉलो कर दिया है। विराट के प्रशंसक काफी समय से वैद्य को अनफॉलो करने की अपील कर रहे थे जिसके बाद चहल ओर क्रुणाल सामने आये।

विराट का भारतीय क्रिकेट जगत में कई खिलाड़ियों के साथ करीबी संबंध है और उनके साथियों का यह कदम एकजुटता के रूप में देखा जा रहा है। हाल ही में विराट ने अवनीत की कुछ बोल्ड तस्वीरों पर 'लाइक' बटन दबाया, और इंटरनेट पर गॉसिप का दौर शुरू हो गया। ये तस्वीरें 30 अप्रैल को पोस्ट की गई थीं, जिसमें अवनीत एक स्टाइलिश ग्रीन टॉप और मिनी स्कर्ट में नजर आ रही थीं।

[व्यापार]

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

मुम्बई । भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को गिरावट पर बंद हुआ। बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 411.97 अंक करीब 0.51 फीसदी की गिरावट के साथ ही 80,334.81 अंकों पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी भी 140.60 अंक तकरीबन 0.58 फीसदी नीचे आकर 24,273.80 अंकों पर बंद हुआ। वहीं गत दिवस बाजार हल्की बढ़त पर बंद हुआ था। आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स की 30 में से सिर्फ 4 कंपनियों के शेयर बढ़त पर बंद हुए। वहीं 26 कंपनियों के शेयर गिरावट पर बंद हुए। इसी तरह निफ्टी 50 की 50 में से सिर्फ 5 कंपनियों के शेयर ही बढ़त के साथ हरे निशान में बंद हुए और बाकी की सभी 45 कंपनियों के शेयर नुकसान के साथ लाल निशान में बंद हुए। आज सेंसेक्स की कंपनियों में शामिल एक्सिस बैंक के शेयर सबसे ज्यादा 0.70 फीसदी ऊपर आये और एटरनल (जोमेटो) के शेयर सबसे ज्यादा 3.14 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुए। महिंद्रा एंड महिंद्रा, मारुति सुजुकी के शेयरों में बड़ी गिरावट आई है।

सेंसेक्स की अन्य कंपनियों में महिंद्रा एंड महिंद्रा के शेयर 2.85 फीसदी , मारुति सुजुकी 2.04 फीसदी , बजाज फाइनेंस 1.86 फीसदी , टाटा स्टील 1.81 फीसदी , भारती एयरटेल 1.58 फीसदी , एशियन पेंट्स 1.49 फीसदी , बजाज फिनसर्व 1.48 फीसदी , पावरग्रिड 1.09 फीसदी , भारतीय स्टेट बैंक 0.95 फीसदी , एचडीएफसी बैंक 0.94 फीसदी , इंडसइंड बैंक 0.94फीसदी , सनफार्मा 0.85 फीसदी , एनटीपीसी 0.72 फीसदी , अडाणी पोर्ट्स 0.62 फीसदी , हिंदुस्तान यूनिलीवर 0.62 फीसदी और आईसीआईसीआई बैंक के शेयर 0.60 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुए। इसके अलावा लार्सन एंड टुब्रो, नेस्ले इंडिया, आईटीसी, अल्ट्राटेक इमेंट, रिलायंस इंडस्ट्रीज और टेक महिंद्रा के शेयर भी गिरावट पर बंद हुए।

ट्रम्प का कहना है कि वे चीन के साथ वार्ता शुरू करने टैरिफ कम नहीं करेंगे!

ट्रम्प ने कहा, चीन को पहले अपनी एकतरफा टैरिफ बढ़ोतरी वापस लेनी चाहिए

वाशिंगटन । अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रम्प ने बीजिंग के साथ ट्रेड वार की बातचीत शुरू करने के लिए चीन के 145 फीसदी टैरिफ को कम करने पर विचार नहीं करेंगे, इसकी घोषणा की। उन्होंने कहा कि चीन को पहले अपनी एकतरफा टैरिफ बढ़ोतरी वापस लेनी चाहिए। इसके साथ ही, ट्रम्प ने चीन के दावे को खारिज करते हुए कहा कि अमेरिका ने स्विट्जरलैंड में ट्रेड वार्ता शुरू की थी। चीन ने भी ट्रम्प के टैरिफ में और बढ़ोतरी के विरोध किया, कहते हुए कि वे अमेरिका के प्रस्तावों का आकलन कर रहे हैं। ट्रम्प ने आंकड़ों का सहारा लेते हुए कहा कि चीन में बेरोजगारी बहुत ज्यादा हो गई है और कारखाने बंद हो रहे हैं। उन्होंने इसके असर से सहमतता जताई, लेकिन चीन को टैरिफ बढ़ाने से पहले अपनी बढ़ोतरी वापस लेनी चाहिए, यह उनकी मांग है। चीन ने अमेरिका के प्रस्तावों का आकलन करने का दावा किया है, लेकिन उन्होंने ट्रम्प को अपनी टैरिफ बढ़ोतरी कैंसिल करने का कहा है। इसमें दस्तावेजीकरण है कि स्विट्जरलैंड में होने वाले चीनी-अमेरिकी बैठक से पहले यह खुलासा हुआ है। ट्रम्प ने इस बिल्कुल भी अपनी गैरहाजिरगी नहीं दी है और देश में चल रहे व्यापार वार्ता की एक समीक्षा के दौरान इस पर अवधान निशानी स्थापित की है।

नागपुर के सभी पेट्रोल पंपों पर 10 मई से डिजिटल पेमेंट बंद

अब पेट्रोल-डीजल सिर्फ कैश में मिलेगा

नई दिल्ली। देश भर में जहां डिजिटल लेन-देन को बढ़ावा दिया जा रहा है, वहीं एक बड़ा फैसला महाराष्ट्र के नागपुर से सामने आया है, जिसने रोजाना पेट्रोल पंप पर जाने वाले लोगों की चिंता बढ़ा दी है। मोबाइल स्कैन कर पेट्रोल भरवाने वाले वाहन चालकों के लिए अब मुश्किल खड़ी होने वाली है, क्योंकि नागपुर के सभी पेट्रोल पंपों पर डिजिटल पेमेंट बैन कर दिया गया है। विदर्भ पेट्रोलियम डीलर्स एसोसिएशन ने ऐलान किया है कि 10 मई से नागपुर के सभी पेट्रोल पंपों पर डिजिटल पेमेंट को पूरी तरह बंद कर दिया जाएगा। इसका सीधा मतलब है कि अब पेट्रोल या डीजल भरवाने के लिए आपको कैश लेकर जाना जरूरी होगा, वरना आपको ईंधन नहीं मिलेगा। फिलहाल लोग पेटीएम, गूगल पे, फोनपे, कार्ड आदि के जरिए भुगतान करते हैं, लेकिन यह सुविधा कुछ ही दिनों में बंद हो जाएगी। पेट्रोल पंप संचालकों ने पहले से ही ग्राहकों को सतर्क करना शुरू कर दिया है।

यह निर्णय किसी तकनीकी खराबी या सरकारी आदेश के तहत नहीं लिया गया, बल्कि पेट्रोल पंप मालिकों की साइबर फ्रॉड से तंग आकर लिया गया है। एसोसिएशन के अध्यक्ष ने बताया कि पिछले कुछ समय में लगातार ऐसे मामले सामने आए हैं, जहां लोग नकली या फर्जी डिजिटल ट्रांजेक्शन दिखाकर पेट्रोल भरवा लेते हैं। इसके बाद वे राष्ट्रीय साइबर क्राइम पोर्टल पर झूठी शिकायत दर्ज करवा देते हैं कि उनका पैसा काट लिया गया, जिससे पेट्रोल पंप मालिकों के बैंक खाते सीज (फ्रीज़) हो जाते हैं। इसके चलते पेट्रोल पंप के संचालन पर बड़ा असर पड़ा है।

पीएनबी ने 2025 की चौथी तिमाही के लिए 4,567 करोड़ का शुद्ध लाभ किया दर्ज

नई दिल्ली, । सरकारी स्वामित्व वाले पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) ने वित्त वर्ष 2025 की जनवरी-मार्च तिमाही के लिए 4,567 करोड़ का शुद्ध लाभ दर्ज किया है, जो पिछले वित्त वर्ष की इस अवधि के 3,010 करोड़ रुपए के आंकड़े से 51.7 फीसदी ज्यादा है। पीएनबी ने वित्त वर्ष 2025 के लिए 2.90 रुपए प्रति इक्विटी शेयर का लाभांश घोषित किया है। जमा पर दिए गए ब्याज और ऋण पर अर्जित ब्याज के बीच का अंतर, बैंक की शुद्ध ब्याज आय चौथी तिमाही के लिए 4 फीसदी बढ़कर 10,757 करोड़ हो गई। पीएनबी बोर्ड ने वित्त वर्ष 2025 के लिए 2 रुपए अंकित मूल्य के प्रत्येक इक्विटी शेयर पर 2.90 रुपए का लाभांश देने की सिफारिश की। लाभांश बैंक की आगामी वार्षिक आम बैठक में शेयरधारकों की मंजूरी के अधीन है। सार्वजनिक क्षेत्र के ऋणदाता की परिसंपत्ति गुणवत्ता जनवरी-मार्च तिमाही के दौरान बेहतर हुई, जिसमें ग्रॉस नॉन-परफॉर्मिंग एसेट्स पिछली तिमाही के 4.09 फीसदी से घटकर 3.95 फीसदी हो गईं। चौथी तिमाही में नेट नॉन-परफॉर्मिंग एसेट्स मामूली रूप से घटकर 0.41 फीसदी रह गईं, जो तीसरी तिमाही में 0.4 फीसदी थीं। पीएनबी बोर्ड ने बेसल-3 अनुपालन बॉन्ड जारी कर 8,000 करोड़ की नई फंडिंग जुटाने के प्रस्ताव को भी मंजूरी दी है। इसमें 4,000 करोड़ रुपए तक के अतिरिक्त टियर-1 बॉन्ड और 4,000 करोड़ रुपए तक के टियर-2 बॉन्ड शामिल हैं, जिन्हें वित्त वर्ष 2026 के दौरान एक या ज्यादा किस्तों में जुटाया जाएगा।

पीएनबी का वैश्विक कारोबार वित्त वर्ष 2025 की चौथी तिमाही में 14.03 फीसदी से बढ़कर 26,83,260 करोड़ रुपए हो गया, जो पिछले साल की समान तिमाही में 23,53,038 करोड़ रुपए था। वैश्विक जमा राशियों में सालाना आधार पर 14.38 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई, जो मार्च 2025 तक 15,66,623 करोड़ रुपए हो गई, जो मार्च 2024 तक 13,69,713 करोड़ रुपए थी।

09-MAY -25 Ek Sat Buletin Rai:09-MAY -25 Ek Sat Buletin Rai.qxd 09-May-25 4:15 AM Page 6

ढाई सौ साल बाद भागलपुर जिला ने मनाया अपना स्थापना दिवस समारोह

यह भी एक विशेष बात है कि बिहार का एक पुराना जिला भागलपुर 252 वर्षों के बाद राजकीय और विधिवत ढंग से अपनी स्थापना का दिवस मनाया। किसी भी जिले के लिये उसकी स्थापना की तिथि का एक खास महत्व होता है, क्योंकि उस दिन से उसकी एक अलग और स्वतंत्र पहचान बनती है। प्रत्येक वर्ष अपने स्थापना दिवस का समारोह मनाकर वो जिला अपने ऐतिहासिक-सांस्कृतिक धरोहरों व स्मारकों को याद कर सामाजिक-आर्थिक विकास के नये आयाम गढ़ने का संकल्प लेता है। यह भी एक विडम्बना रही है कि ब्रिटिश भारत में भागलपुर बिहार का सबसे पुराना जिला होने के बावजूद स्थापना की तिथि स्पष्ट नहीं होने के कारण पिछले ढाई सौ वर्षों तक अपना स्थापना समारोह नहीं मना सका। अंततः काफी शोध, अध्ययन और जिला प्रशासन के उपक्रमों के पश्चात् इस साल 4 मई को भागलपुर अपना पहला राजकीय स्थापना दिवस समारोह पूरे धूमधाम व भव्यता के साथ मनाया। इस अवसर पर पूरी भव्यता के साथ स्थानीय टाउन हॉल में समारोह का आयोजन किया गया तथा कलेक्ट्रियट भवन के नगर के चौक-चौराहों व स्मारकों को रंगीन लाईट से सज्जित किया गया। इसके अलावा प्रमुख संस्थान गांधी शांति प्रतिष्ठान, नगर विकास परिषद व अन्य संस्थाओं ने भी इस अवसर पर समारोह आयोजित किये।

भागलपुर वासियों को यह मलाल रहा कि ब्रिटिश काल में संताल परगना से लेकर बंगाल तक के क्षेत्रफल तक फैले भागलपुर, जो उस समय जंगल तराई कहलाता था, से निकले मुंगेर, मधेपुरा, सुपौल, बेगूसराय, जमुई सहित झारखंड के दुमका, देवघर, गोड्डा आदि जिले तो अपने स्थापना दिवस समारोह मना रहे थे पर भागलपुर इससे मरहूम रहा। इस दौरान जिले के विभिन्न राजनैतिक-सामाजिक संगठनों तथा प्रबुद्ध नागरिकों व बुद्धिजीवियों के द्वारा लंबे समय तक जिला स्थापना दिवस समारोह आयोजित करने की मांग की जाती रही जिसके मद्देनजर तत्कालीन जिलाधिकारी प्रणव कुमार ने जिला स्थापना तिथि निर्धारण हेतु अपर समाहर्ता की अध्यक्षता में 6 दिसंबर, 2018 को एक चार-सदस्यीय समिति का गठन किया जिसमें तिलकामांझी भागलपुर विश्वविद्यालय के इतिहास विभाग के प्राध्यापक प्रो. (डॉ.) रमन सिन्हा भी शामिल किये गये थे। इतिहासकार डॉ. सिन्हा ने कोलकाता स्थित बंगाल राज्य अभिलेखागार के दस्तावेजों, कोलकाता के नेशनल लाइब्रेरी के ग्रंथों, कैलेंडर ऑफ पर्सियन करसपोंडेंट्स, ब्रिटिश सरकार के प्रशासनिक केंद्र फोर्ट विलियम, कोलकाता के इंडिया हाउस करसपोंडेंट्स आदि का अध्ययन करने के पश्चात् अपने शोध निष्कर्षों के आधार पर यह दावा किया कि 4 मई, 1773 को मि. जेम्स बर्टन ने भागलपुर के पहले कलक्टर के रूप में योगदान किया था जिससे स्पष्ट होता है कि भागलपुर जिले की स्थापना 4 मई, 1773 को हुई थी।

1765 में मुगल बादशाह शाह आलम से ईस्ट इंडिया कंपनी को बिहार, बंगाल और उड़ीसा की दीवानी (जमींदारी) मिली, किंतु एक नीति के तहत अंग्रेजों ने मुगलकालीन व्यवस्था में तत्काल दखलंदाजी न करते हुए मुगलकालीन व्यवस्था कायम रखते हुए राजस्व मामलों के लिये 1769 में राजमहल-भागलपुर (पुराना भागलपुर) के लिये विलियम हारउड को सुपरवाइजर नियुक्त किया।

मसलों पर समय सीमा तय करने पर विवाद क्यों?

उच्चतम न्यायालय ने राज्यपालों और राष्ट्रपति के स्तर पर विधेयक स्वीकृत करने संबंधी समय सीमा निर्धारित क्या की, समूचे राजनीतिक जगत में जैसे भूचाल आ गया। नेताओं द्वारा इसे विधायिका की कार्यवाही में सीधा हस्तक्षेप मानते हुए इस कार्यवाही को न्यायपालिका द्वारा अपनी सीमा लांघने जैसे बयान दिए जाने लगे। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने बयान दे डाला कि संविधान की मूल भावना के 'अंतिम स्वामी' चुने हुए जनप्रतिनिधि होते हैं और संसद से ऊपर कोई भी नहीं है। भाजपा सांसद निशिकांत दुबे तो इतने आगे चले गए कि, यदि सुप्रीम कोर्ट को ही कानून बनाना है तो संसद और विधानसभाओं को बंद कर देना चाहिए, और भारत में गृह युद्ध के लिए सीजेआई खन्ना जिम्मेदार हैंधनखड़ के बयान पर सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष और वरिष्ठ कानूनविद कपिल सिब्बल मैदान में आए। उन्होंने कहा कि न तो संसद और कार्यपालिका नहीं संविधान सर्वोच्च है जिसके प्रावधानों की व्याख्या सुप्रीम कोर्ट द्वारा की जाती है। इस देश ने अब तक कानून को इसी तरह समझा है।

विचार

विभेदक ज्यामिति के जनक -गैसपार्ड मोंगे

संजय गोस्वामी
लेखक

> इस विधि ने ज्यामितीय तकनीकों का पूरा उपयोग किया, जिसे मोंगे अपने समय में विकसित कर रहे थे। उनकी गणितीय क्षमताओं को अब इकोले रॉयल डु जेनी में मान्यता दी गई और यह महसूस किया गया कि मोंगे सैद्धांतिक और व्यावहारिक दोनों विषयों में असाधारण क्षमताओं वाले व्यक्ति थे।बोसट को 1768 में एकेडमी डेस साइंसेज के लिए चुना गया और उन्होंने लौवर में हाइड्रोडायनामिक्स के प्रोफेसर बनने के लिए मेज़िएरेस में इकोले छोड़ दिया। 22 जनवरी 1769 को मोंगे ने बोसट को लिखा कि वे दोहरे वक्रता के वक्रों के विकास पर एक कार्य लिख रहे हैं।

गैसपार्ड मोंगे का जन्म 9 मई 1746 ब्यून, बोर्गोग्ने, फ्रांस में हुआ गैसपार्ड मोंगे को उनके कार्य एप्लीकेशन डे लएनालिस ए ला जियोमेट्री के कारण विभेदक ज्यामिति का जनक माना जाता है, जहाँ उन्होंने 3-स्पेस में सतह की वक्रता रेखाओं की अवधारणा पेश की थी।गैसपार्ड मोंगे को व्यापक रूप से विभेदक ज्यामिति के जनक के रूप में जाना जाता है। क्षेत्र में उनके योगदान, विशेष रूप से वर्णनात्मक ज्यामिति में उनके कार्य और उनकी पुस्तक एप्लीकेशन डे लएनालिस ए ला जियोमेट्री ने विभेदक ज्यामिति की नींव रखी। गैसपार्ड मोंगे अपने जीवन के बाद में कॉम्टे डे पेल्यूज़ बन गए और उन्हें कभी-कभी इसी नाम से जाना जाता है। उनके पिता जैक्स मोंगे एक व्यापारी थे, जो मूल रूप से दक्षिण-पूर्वी फ्रांस के हाउते-सावोई से आए थे। गैसपार्ड की माँ, जिनका पहला नाम जीन रूसो था, बरगंडी की मूल निवासी थीं और बरगंडी के ब्यून शहर में ही गैसपार्ड का लालन-पालन हुआ था। जिस समय गैसपार्ड का जन्म हुआ, उस समय ब्यून, गिरावट के दौर के बाद, शराब के व्यापार की सफलता के कारण फिर से समृद्ध हो रहा था।मोंगे ने ब्यून में ऑरेटोरियन कॉलेज में पढ़ाई की। यह स्कूल युवा रईसों के लिए था और पुजारियों द्वारा चलाया जाता था। स्कूल ने अन्य धार्मिक स्कूलों की तुलना में अधिक उदार शिक्षा प्रदान की, न केवल मानविकी में बल्कि इतिहास, गणित और प्राकृतिक विज्ञान में भी शिक्षा प्रदान की। यह वह स्कूल था जहाँ मोंगे ने पहली बार अपनी प्रतिभा दिखाई। 1762 में, 16 साल की उम्र में, मोंगे ल्योन गए जहाँ उन्होंने कॉलेज डे ला ट्रिनिट में अपनी शिक्षा जारी रखी। उस समय सिर्फ़ 17 साल की उम्र में ही मोंगे को भौतिकी का कोर्स पढ़ाने का काम सौंपा गया था। 1764 में वहाँ अपनी शिक्षा पूरी करने के बाद, मोंगे ब्यून लौट आए जहाँ उन्होंने शहर की एक योजना तैयार की।मोंगे द्वारा बनाई गई ब्यून की योजना ने उनके करियर की दिशा को बहुत प्रभावित किया, क्योंकि इस योजना को मेज़िएरेस में इकोले रॉयल डु जेनी के स्टाफ़ के एक सदस्य ने देखा था। वह मोंगे के काम से बहुत प्रभावित हुए और 1765 में मोंगे को एक ड्राफ्ट्समैन के रूप में इकोले रॉयल डु जेनी में नियुक्त किया गया। बेशक, इस पद पर मोंगे ऐसे काम कर रहे थे जो पूरी तरह से उनके पसंद के नहीं थे, क्योंकि वह जीवन में एक ऐसे पद की आकांक्षा रखते थे जहाँ उनकी गणितीय प्रतिभा का यादा से यादा उपयोग हो सके। हालाँकि इकोले रॉयल डु जेनी ने मोंगे को चार्ल्स बोसट के संपर्क में लाया जो वहाँ गणित के प्रोफेसर थे। पहले तो मोंगे के पद के लिए उन्हें अपनी गणितीय प्रतिभा का उपयोग करने की आवश्यकता नहीं थी, लेकिन मोंगे ने अपने समय में ज्यामिति के अपने विचारों को विकसित करने का काम किया।ड्राफ्ट्समैन बनने के लगभग एक साल बाद, मोंगे को एक कार्य दिया गया, जिससे उन्हें अपने गणितीय कौशल का उपयोग करके उस कार्य पर हमला करने की अनुमति मिली, जो उन्हें दिया गया था। एक किलेबंदी योजना तैयार करने के लिए कहा गया, जो दुश्मन को किसी भी सैन्य स्थिति को देखने या उस पर गोली चलाने से रोकती, चाहे दुश्मन की स्थिति कुछ भी हो, मोंगे ने उस समय उपलब्ध जटिल तरीकों का उपयोग करने के बजाय ऐसी किलेबंदी का निर्माण करने के लिए अपनी खुद की ग्राफिकल विधि तैयार की। इस विधि ने ज्यामितीय तकनीकों का पूरा उपयोग किया, जिसे मोंगे अपने समय में विकसित कर रहे थे। उनकी गणितीय क्षमताओं को अब इकोले रॉयल डु जेनी में मान्यता दी गई और यह महसूस किया गया कि मोंगे सैद्धांतिक और व्यावहारिक दोनों विषयों में असाधारण क्षमताओं वाले व्यक्ति थे।बोसट को 1768 में एकेडमी डेस साइंसेज के लिए चुना गया और उन्होंने लौवर में हाइड्रोडायनामिक्स के प्रोफेसर बनने के लिए मेज़िएरेस में इकोले छोड़ दिया। 22 जनवरी 1769 को मोंगे ने बोसट को लिखा कि वे दोहरे वक्रता के वक्रों के विकास पर एक कार्य लिख रहे हैं। उन्होंने बोसट से कार्य की मौलिकता और उपयोगिता पर एक राय देने के लिए कहा। बोसट ने बहुत ही सकारात्मक तरीके से उत्तर दिया होगा क्योंकि जून में जर्नल एनसाइक्लोपीडिक में मोंगे द्वारा एक प्रकाशन (उनका पहला प्रकाशन) प्रकाशित हुआ था जिसमें उन्होंने जो परिणाम प्राप्त किए थे उनका सारांश दिया था। यह पत्र, जिसमें मोंगे ने ह्यूजेंस द्वारा अंतरिक्ष वक्रों पर प्राप्त परिणामों को सामान्यीकृत किया (ह्यूजेंस की पेंडुलम की जांच के हिस्से के रूप में) और कई महत्वपूर्ण नई खोजों को जोड़ा, [19] में विस्तार से वर्णित है।

विचार

दो टूक- आतंकवाद के विरुद्ध प्रतिशोध और शौर्य का प्रतीक बना 'ऑपरेशन सिंदूर'

योगेश कुमार गोयल
लेखक

> पाकिस्तान के दावे आपस में ही विरोधाभासी हैं, जो इस बात का स्पष्ट संकेत है कि वे न तो इस हमले के लिए तैयार थे और न ही उनके पास इसकी ठोस जानकारी है। वहीं, भारत ने इस ऑपरेशन के तुरंत बाद अमेरिका को इस कार्रवाई की जानकारी दी। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल ने अमेरिकी एनएसए और विदेश मंत्री मार्को रुबियो से बात कर उन्हें स्पष्ट रूप से बताया कि यह कार्रवाई पूरी तरह आतंकवाद के खिलाफ थी, न कि पाकिस्तान की संप्रभुता के विरुद्ध। भारतीय दूतावास ने अमेरिका में बयान जारी कर बताया कि भारत ने किसी भी पाकिस्तानी नागरिक, सैन्य या आर्थिक ठिकानों को निशाना नहीं बनाया, केवल उन्हीं आतंकी शिविरों पर हमला किया गया, जो भारत के खिलाफ साजिश रच रहे थे।

आतंक के गढ़ में भारत का निर्णायक प्रहार

भारत ने 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले का जवाब 15 दिन बाद 'ऑपरेशन सिंदूर' के माध्यम से देकर एक बार फिर यह जता दिया है कि अब वह न तो चुप रहेगा और न ही आतंकी हमलों को बर्दाश्त करेगा। इस हमले में भारत के 26 निर्दोष लोगों की जान गई थी और यह हमला स्पष्ट रूप से पाकिस्तान के आतंकी ठिकानों से ही संचालित किया गया था। इसके सटीक जवाब में भारत ने 7 मई सुबह डेढ़ बजे पाकिस्तान और पाक अधिकृत कश्मीर (पीओके) में आतंकियों के 9 ठिकानों को ध्वस्त करते हुए 'ऑपरेशन सिंदूर' को अंजाम दिया। भारत की यह एक सुनियोजित, सीमित और सटीक सैन्य कार्रवाई थी, जिसका उद्देश्य स्पष्ट था, आतंकवाद को उसी की जमीन पर कुचलना। इस ऑपरेशन को 'सिंदूर' नाम देना भारत की सांस्कृतिक और भावनात्मक सोच को दर्शाता है। 'सिंदूर' एक ओर जहां भारतीय संस्कृति में शक्ति, सौभाग्य और सम्मान का प्रतीक है, वहीं इस संदर्भ में यह उन शहीदों के बलिदान की लालिमा भी है, जिनकी शहादत का बदला लेने के लिए यह कार्रवाई की गई।

ऑपरेशन सिंदूर के जरिये भारत ने स्पष्ट कर दिया है कि यह ऑपरेशन केवल उन आतंकी ढांचों के विरुद्ध था, जो लगातार भारत में घुसपैठ, आत्मघाती हमले और हथियारों की तस्करी को बढ़ावा दे रहे थे। बहावलपुर जैश-ए-मोहम्मद का गढ़ है, वहीं मुजफ्फराबाद और कोटली लश्कर-ए-तैयबा और हिजबुल मुजाहिदीन जैसे संगठनों के लिए लांच पैड के रूप में काम आते हैं। इन स्थानों पर हुए हमलों के माध्यम से भारत ने उन आतंकी गुटों की कमर तोड़ने की कोशिश की है, जो वर्षों से भारत को अस्थिर करने की कोशिश में लगे हुए थे। इस ऑपरेशनके जरिये भारत ने अपने नागरिकों को यह भरोसा भी दिलाया है कि देश की सुरक्षा महज कागजों तक सीमित नहीं है बल्कि उसे धरातल पर भी लागू किया जा रहा है। ऑपरेशन सिंदूर यह विश्वास पैदा करता है कि अब भारत किसी भी आतंकी हरकत का जवाब उसी भाषा में देगा और अपने सैनिकों और नागरिकों की शहादत व्यर्थ नहीं जाने देगा। यह संदेश केवल पाकिस्तान के लिए ही नहीं बल्कि उन ताकतों के लिए भी है, जो सीमा पार से भारत के खिलाफ जंग छेड़े हुए हैं।

भारतीय वायुसेना ने इस ऑपरेशन के तहत अत्याधुनिक मिसाइलों का इस्तेमाल करते हुए बहावलपुर, मुजफ्फराबाद, कोटली, मुरीदके, बाघ और पाकिस्तान के पंजाब प्रांत की कुछ आतंक-प्रवण लोकेशनों पर हमलाकर पूरी दुनिया को यह दिखा दिया है कि आतंकवाद से निपटने के लिए उसे अब किसी की अनुमति की आवश्यकता नहीं है और वह अपने नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए हरसंभव कदम उठाने को तैयार है। इस ऑपरेशन की योजना और क्रियान्वयन अत्यंत गोपनीय और तकनीकी रूप से उन्नत स्तर पर हुई। भारतीय खुफिया एजेंसियों ने 22 अप्रैल के हमले के बाद जिस तेजी से पाकिस्तान के आतंकी ठिकानों की पहचान की और सेना के साथ समन्वय किया, वह भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति की परिपक्वता का प्रमाण है। रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी बयान में स्पष्ट किया गया है कि इस कार्रवाई का उद्देश्य केवल आतंकवाद के अड्डों को निशाना बनाना था, न कि पाकिस्तानी सैन्य ठिकानों या नागरिक आबादी को। इस ऑपरेशन के दौरान भारत ने कुल 24 मिसाइलें दागी, जिनमें से अधिकांश लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद जैसे आतंकी संगठनों के ठिकानों पर सटीकता से गिरी।

बताया जा रहा है कि इन हमलों में कई आतंकियों के मारे जाने की खबर है, जिनमें लश्कर और जैश के कई शीर्ष कमांडर भी शामिल हैं, जो भारत में आतंकी हमलों की योजना बनाते रहे हैं। पाकिस्तान का स्थानीय मीडिया और प्रशासन पहले इस हमले को नकारते रहे, फिर अलग-अलग बयान देकर भ्रम फैलाने की कोशिश की। पाकिस्तानी सेना के आईएसपीआर प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल अहमद शरीफ चौधरी ने दावा किया कि भारत ने 6 अलग-अलग स्थानों पर मिसाइलें दागी, जिनमें 8 नागरिकों की मौत हुई। वहीं दूसरी ओर, पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने जियो टीवी पर दावा किया कि भारत ने अपने ही हवाई क्षेत्र से हमला किया और मिसाइलें रिहायशी इलाकों पर गिरी। पाकिस्तान के दावे आपस में ही विरोधाभासी हैं, जो इस बात का स्पष्ट संकेत है कि वे न तो इस हमले के लिए तैयार थे और न ही उनके पास इसकी ठोस जानकारी है। वहीं, भारत ने इस ऑपरेशन के तुरंत बाद अमेरिका को इस कार्रवाई की जानकारी दी। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल ने अमेरिकी एनएसए और विदेश मंत्री मार्को रुबियो से बात कर उन्हें स्पष्ट रूप से बताया कि यह कार्रवाई पूरी तरह आतंकवाद के खिलाफ थी, न कि पाकिस्तान की संप्रभुता के विरुद्ध। भारतीय दूतावास ने अमेरिका में बयान जारी कर बताया कि भारत ने किसी भी पाकिस्तानी नागरिक, सैन्य या आर्थिक ठिकानों को निशाना नहीं बनाया, केवल उन्हीं आतंकी शिविरों पर हमला किया गया, जो भारत के खिलाफ साजिश रच रहे थे।

इस ऑपरेशन के पूरे समय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इसकी निगरानी कर रहे थे। उन्होंने सेना को पूर्ण स्वतंत्रता दी थी और इस ऑपरेशन की बारीकियों पर लगातार नजर बनाए रखी। ऑपरेशन पूरा होने के बाद भारतीय सेना ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर 'जस्टिस इज सर्व्ड' यानी 'न्याय हो गया' लिखा जबकि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने 'भारत माता की जय' के नारे के साथ इस कार्रवाई को राष्ट्र के प्रति समर्पित किया।

विचार

भारत की मिसाइलों का सटीक निशाना, चीन के सुरक्षा तंत्र की खुली पोल

शिव शंकर सिंह पारिजात
लेखक

भारतीय सेना ने ऑपरेशन सिंदूर के अंतर्गत पाकिस्तान के 9 आतंकी ठिकानों पर भारतीय सीमा में रहते हुए जो मिसाइल स्ट्राइक की है उसने पाकिस्तान में तैनात एचक्यू-9 मिसाइल की विफलता को उजागर कर दिया है। चीन और पाक द्वारा जो दावे किए जा रहे थे उसकी पोल खुल गई है। भारत ने हाल ही में सिंदूर ऑपरेशन के जरिए आतंकी ठिकानों पर सटीक मिसाइल अटैक कर पाकिस्तान में मौजूद आतंकवादियों को करारा जबाब दिया है। यह हमला मंगलवार की देर रात करीब 1:45 बजे किया गया था। मात्र 7 मिनट के इस हमले में ब्राह्मोस सहित अत्याधुनिक मिसाइलों और हथगोलों का इस्तेमाल भारतीय सेना द्वारा किया गया। भारत ने इस हमले में सुनिश्चित किया था। पाकिस्तान का कोई भी नागरिक ठिकाना या बुनियादी ढांचा क्षतिग्रस्त ना हो। भारत की सैन्य नैतिकता और सामरिक सूझ-बूझ का परिचय मिलता है। पाकिस्तान और चीन की तरफ से बार-बार दावा किया जाता रहा है। एचक्यू-9 एयर डिफेंस सिस्टम दुनिया के बेहतरीन सुरक्षा कवचों में एक है। यह सिस्टम अभी तक कहीं उपयोग नहीं हुआ था। चीन का दावा था, उसका यह सिस्टम अमेरिका के पेट्रियट, इजराइल के आयरन डोम और रूस के एस-400 से बेहतर है। भारतीय सेना की मिसाइलों ने चीन की इस तथाकथित अभेद्य रक्षा प्रणाली को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया, जिसके कारण चीन की पोल खुल गई है। पाकिस्तान भी हैरान और परेशान है, चीन से उसने सबसे ज्यादा रक्षा सामग्री एवं सैन्य उपकरण खरीदे हैं। भारत की सेना द्वारा जिस तरह की रक्षा प्रणाली का उपयोग किया जा रहा है उसको देखते हुए पाकिस्तान अब यह नहीं समझ पा रहा है, कि वह भारत का मुकाबला किस तरह से करेगा। चीन द्वारा पाकिस्तान को सौंपा गया यह सिस्टम एक भी भारतीय मिसाइल को इंटरसेप्ट नहीं कर पाया। पाकिस्तान की सेना और वायुसेना पूरी तरह अलर्ट मोड पर थीं। इस असफलता ने चीन की रक्षा तकनीक और उपायों की वास्तविकता उजागर कर दी है। भारत ने बिना हवाई हमले और बमवर्षक विमानों का प्रयोग किये बिना ही यह दिखा दिया है। आधुनिक युद्ध केवल सैनिकों की संख्या से नहीं, बल्कि रणनीति, तकनीक और संयम से जीते जा सकते हैं। भारतीय सेना ने इस अभियान में न केवल तीनों सेनाओं की एकजुटता, भारतीय सेना का सैन्य कौशल दिखाया, वरन यह भी साबित कर दिया, कि भारत अब केवल जुबानी प्रतिक्रिया देने वाला देश नहीं रहा। आवश्यकता पड़ने पर भारत निर्णायक कार्रवाई करने वाला राष्ट्र बन चुका है। जो दुश्मन के घर जाकर सटीक निशाना साधकर अपने दुश्मनों से बदला ले सकता है। इस घटनाक्रम से सैन्य विश्वसनीयता और क्षमता को लेकर विश्व में भारत की स्थिति मजबूत हुई है। अमेरिका, यूएई और सऊदी अरब जैसे देशों को भारत द्वारा पहले से सूचित किया जा चुका था। यह भारत की वैश्विक कूटनीति की समझ और पारदर्शिता को प्रदर्शित करता है। भारत के ऑपरेशन सिंदूर से पाकिस्तान के भीतर हड़कंप मचा हुआ है। पाकिस्तान द्वारा पिछले दो सप्ताह से इतनी बडी तैयारी के बावजूद चीन और पाकिस्तान मिलकर भी हमले को क्यों नहीं रोक पाए। भारतीय सेना का यह हमला केवल एक सैन्य कार्रवाई नहीं है। भारत का यह संदेश भी है, भारत की संप्रभुता से खिलवाड़ करने वालों को भारतीय सेना से हर स्तर पर जवाब मिलेगा। भारत तकनीकी, सैन्य और कूटनीतिक स्थिति की समझ रखती है। भारत की सेना के तीनों अंगों की एक जुटता, भारतीय सेना का साहस, भारतीय सेना का प्रशिक्षण और अत्याधुनिक सैन्य उपकरण, अत्याधुनिक संचार प्रणाली का कोई मुकाबला नहीं है। भारतीय सेना ने जो पराक्रम ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से किया है वह दुनिया भर के आतंकवादियों के लिए भी एक संदेश है। मसूद अजहर जैसे खूंखार आतंकवादियों के लिए एक सबक है। भारतीय सेना ने मात्र 7 मिनट के अंदर अपनी सीमा के अंदर ही रहते हुए उसके पूरे परिवार को निशाना साधकर पाकिस्तान में ही समाप्त कर दिया। इससे भारत के पड़ोसी देशों में भी हड़कंप की स्थिति है। भारतीय सेना के पराक्रम की चर्चा दुनिया के सभी देशों में हो रही है। भारत की सेना दुनिया की सर्वश्रेष्ठ सेनाओं में से एक है। यह साबित हो गया है। मात्र कुछ मिनट का ऑपरेशन कर दुश्मनों को सबक सिखाने की यह अनूठी घटना है।

09-MAY -25 Ek Sat Buletin Rai:09-MAY -25 Ek Sat Buletin Rai.qxd 09-May-25 4:15 AM Page 7

हंसी के बादशाह मिस्टर बीन

तुम्हारे प्यारे दोस्त मिस्टर बीन, मिस्टर बीन सिरीज के अलावा फिल्मों में भी सभी का मनोरंजन करते नजर आए। करीब दो दशक से वे हंसी के डोज, टीवी व फिल्मों के माध्यम से बराबर देते आ रहे हैं। अपने चुटीले अंदाज से इन्होंने न सिर्फ तुम बच्चों को, बल्कि बड़ों को भी लोटपोट होने पर मजबूर कर दिया। आओ जानते हैं मिस्टर बीन को कुछ करीब से।

हम जानते हैं कि हंसा-हंसा कर लोटपोट करने वाले मिस्टर बीन तुम्हारे पसंदीदा स्टार हैं। टीवी पर जब तुम देखते हो तो तुम्हें इंतजार रहता है कि कब वह ऐसी हरकतें करें कि हमें जल्दी से हंसने का मौका मिले। शायद यह उन कुछ चुनिंदा टीवी प्रोग्राम्स में शामिल है, जिसे बदलने के लिए कोई नहीं कहता होगा। मिस्टर बीन किसी भी काम को अपनी अक्ल लगाकर करना चाहते हैं। उन्हें दीवार पेंट करनी हो तो वह हमारी-तुम्हारी तरह ब्रश का इस्तेमाल नहीं करेंगे, बल्कि घर के छोटे-बड़े सामान को सबसे पहले कवर करेंगे।

डाइनिंग टेबल पर रखे फलों में अंगूरों तक को कागज में लपेटेंगे। पेंट बकेट में धमाका कर पूरे घर की दीवारों पर पेंट करना चाहेंगे। है ना उनका अपना अनोखा स्टाइल। अपने इसी अनोखे स्टाइल के कारण वे पूरी दुनिया में सबके चहेते हो गए हैं।

कई बार तो वे जानबूझकर कोई शरारत करते हैं, लेकिन कभी कुछ शैतानियां उनसे भोलेपन में हो जाती हैं। अब जैसे वही एपिसोड देख लो, जिसमें वे पार्टी के लिए कुछ दोस्तों को अपने घर निमंत्रण देते हैं। लेकिन ये क्या, किचन में तो कुछ है ही नहीं। वे अपनी गर्दन जब चारों ओर घुमाते हैं तो देखते हैं कि खिड़की से कुछ झाड़ अंदर आ रही हैं। बस फिर क्या, उन्हीं को काटकर वे मेहमानों को परोसना चाहते हैं। दोस्त बेचारे इंतजार में हैं कि कुछ स्वादिष्ट पकवान आएंगे, मगर मिस्टर बीन ने तो झाड़ी से काटकर कुछ बारीक लकड़ियां शहद के साथ उन्हें परोस दीं। मेहमान हैरान कि मिस्टर बीन कैसे मजे लेकर खा रहे हैं। ऐसी एक नहीं, अनगिनत शरारतों से वे हंसी का डोज बराबर देते रहते हैं। दरअसल मिस्टर बीन का नाम है रोवान एटकिंसन।

जुगाड़ करना कोई इनसे सीखे। ये बस चाहते हैं कि अपना काम निकल जाए, फिर उसके लिए उन्हें कुछ भी क्यों न करना पड़े। खोई पैंट को ढूंढने के लिए हदें पार करने की बात हो या फिर नादानी की वजह से गार्ड का कायाकल्प करना। कई बार ऐसा भी होता है कि किसी काम में पूरा जोर लगाने के बाद भी सफल नहीं हो पाते, लेकिन ये तो मिस्टर बीन हैं, जिन्होंने हार मानना

तुम इनकी भोली-भाली सी सूरत को देख ये मत समझना कि मिस्टर बीन कितने सीधे हैं। मिस्टर बीन चोरी और धोखाधड़ी में किसी से कम नहीं हैं।

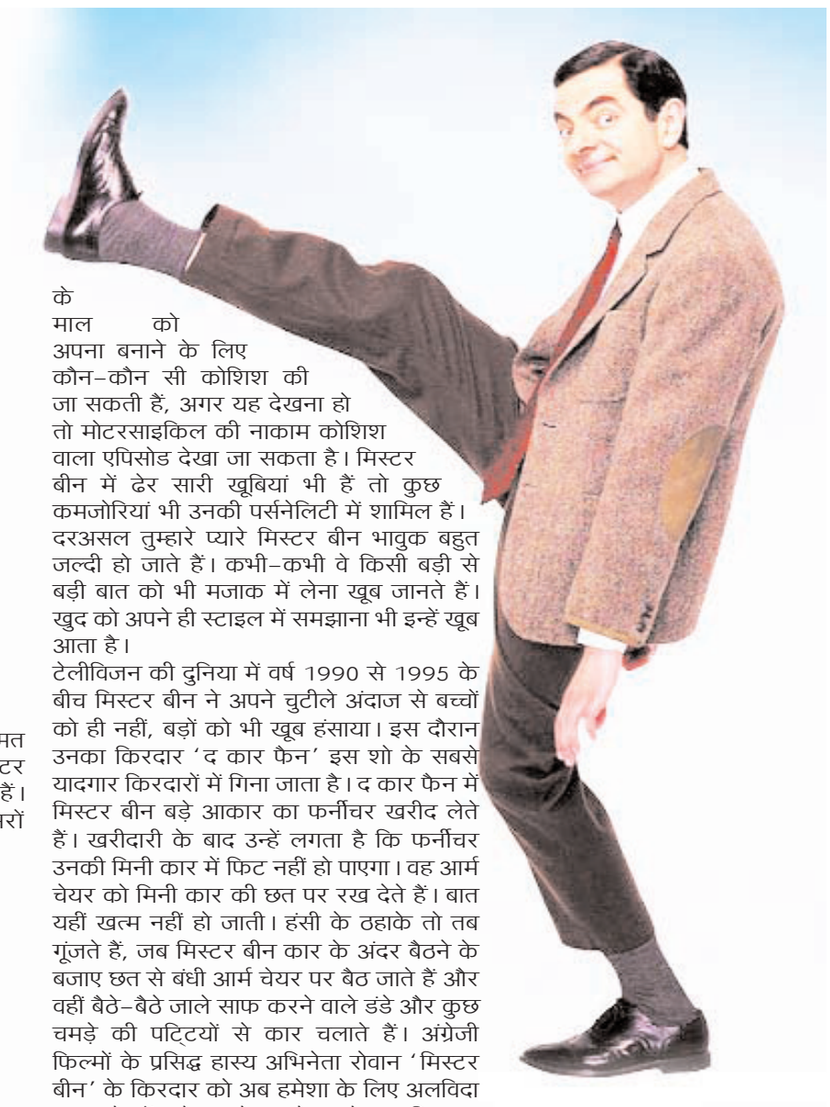

दूसरों के माल को अपना बनाने के लिए कौन-कौन सी कोशिश की जा सकती हैं, अगर यह देखना हो तो मोटरसाइकिल की नाकाम कोशिश वाला एपिसोड देखा जा सकता है। मिस्टर बीन में ढेर सारी खूबियां भी हैं तो कुछ कमजोरियां भी उनकी पर्सनेलिटी में शामिल हैं। दरअसल तुम्हारे प्यारे मिस्टर बीन भावुक बहुत जल्दी हो जाते हैं। कभी-कभी वे किसी बड़ी से बड़ी बात को भी मजाक में लेना खूब जानते हैं। खुद को अपने ही स्टाइल में समझाना भी इन्हें खूब आता है।

टेलीविजन की दुनिया में वर्ष 1990 से 1995 के बीच मिस्टर बीन ने अपने चुटीले अंदाज से बच्चों को ही नहीं, बड़ों को भी खूब हंसाया। इस दौरान उनका किरदार 'द कार फैन' इस शो के सबसे यादगार किरदारों में गिना जाता है। द कार फैन में मिस्टर बीन बड़े आकार का फर्नीचर खरीद लेते हैं। खरीदारी के बाद उन्हें लगता है कि फर्नीचर उनकी मिनी कार में फिट नहीं हो पाएगा। वह आर्म चेयर को मिनी कार की छत पर रख देते हैं। बात यहीं खत्म नहीं हो जाती। हंसी के ठहाके तो तब गूंजते हैं, जब मिस्टर बीन कार के अंदर बैठने के बजाए छत से बंधी आर्म चेयर पर बैठ जाते हैं और वहीं बैठे-बैठे जाले साफ करने वाले डंडे और कुछ चमड़े की पट्टियों से कार चलाते हैं। अंग्रेजी फिल्मों के प्रसिद्ध हास्य अभिनेता रोवान 'मिस्टर बीन' के किरदार को अब हमेशा के लिए अलविदा कह चुके हैं। रोवान ने सबसे पहले इस किरदार को वर्ष 1990 में एक टेलीविजन श्रृंखला में निभाया था और बाद में वर्ष 1997 में वे इस किरदार के साथ एक फिल्म में भी नजर आए थे। रोवान ने फिल्म 'मि. बीन्स हॉलीडे' के बाद इस किरदार को हमेशा के लिए अलविदा कहने का फैसला किया था। इसके निर्माता चाहते हैं कि कुछ बेहतरीन एपिसोड्स को कुछ नए अंदाज में पेश किया जाए। फिलहाल मिस्टर बीन एनिमेटिड सिरीज कई चैनल्स पर आ रही है। उनके मजेदार एपिसोड्स तुम्हें हंसाते रहते हैं। कई नए-पुराने एपिसोड्स की श्रृंखला लगातार कई सालों से चल रही है और इसे हर उम्र के लोग पसंद करते रहे हैं। मिस्टर बीन की सबसे बड़ी खासियत तो तुम्हें पता ही होगी कि वो बोलते कभी-कभी ही हैं...अरे यही बात तो उन्हें सबसे अलग बनाती है ना।

मिस्टर बीन व उनके कुछ साथी

मिस्टर बीन नॉर्थ लंदन के हाइबरी शहर में रहते हैं। वे हमेशा अपनी ट्रेडमार्क बन चुकी खास जैकेट और स्किन रेड टाई में आमतौर पर नजर आते हैं। वे सामान्यतः एक डिजिटल केलकुलेटर वॉच भी पहनना पसंद करते हैं।

मिस्टर बीन शायद ही कुछ बोलते हैं। बस खुद ही बुदबुदाते रहते हैं। टैडी, मिस्टर बीन का सबसे अच्छा साथी है। छोटा सा वह भालू गहरे भूरे रंग का है, जिससे वे बातें भी करते हैं। और उम्मीद भी करते हैं कि वह समझदारी से पेश आए। कई बार वह टूटता-फूटता है, मगर फिर अगले ही एपिसोड में अपने असली रूप में नजर आता है। मिस्टर बीन की वह खास कार भी एक कैरेक्टर के रूप में उभर कर सामने आई।

मिस्टर बीन एक नजर में...

मिस्टर बीन यानी रोवान एटकिन्सन का जन्म 6 जनवरी 1955 को इंग्लैंड में हुआ। उनकी पत्नी सुनेत्रा शेस्त्री व दो बच्चे बेंजमिन व लिली हैं।

1 जनवरी 2010 को मिस्टर बीन ने अपने 20 साल पूरे किए थे। 1 जनवरी 1990 में पहली बार मिस्टर बीन यूके के आई टीवी में नजर आए थे।

1996 में मिस्टर बीन का पहला वीडियो आया, जिसे पेश करने वाले थे, पोलीग्राम वीडियो।

जर्मनी में मेक्डोनल्ड्स ने मिस्टर बीन को वीडियो प्रमोशन के लिए इस्तेमाल किया, जिससे एक महीने एक मिलियन यूनिट की बिक्री हुई।

1997 में आस्ट्रेलिया में बीनः द अलटिमेट डिजास्टर मूवी रिलीज हुई।

दिसम्बर 2001 में द मिस्टर बीन एनिमेटिड सिरीज पूरी हुई। 2004 तक यह यूके में निक पर लॉन्च कर दी गई।

फरवरी 2005 में मिस्टर बीन ने मोबाइल गेम की दुनिया पर भी कब्जा कर लिया।

सबसे पहले मई से अगस्त 2006 के बीच मिस्टर बीन पर बनी फिल्म मिस्टर बीन्स हॉलीडे देखी गई और 2007 आते-आते पूरी दुनिया में रिलीज हो गई।

बौना ग्रह बन गया प्लूटो

दोस्तों, प्लूटो के बारे में तो तुमने सुना ही होगा। यह पहले अपने सौरमंडल का 9वां ग्रह था। लेकिन अब इसे ग्रह नहीं माना जाता। आओ प्लूटो के बारे में जानते हैं...

प्लूटो 2006 तक सौरमंडल का काफी महत्वपूर्ण सदस्य था। इसे 9वें ग्रह का सम्मान प्राप्त था। लेकिन 13 सितम्बर, 2006 को इंटरनेशनल एस्ट्रोनोमिकल एसोसिएशन ने प्लूटो से यह अधिकार छीन लिया। एसोसिएशन ने घोषणा कर दी कि अब प्लूटो ग्रह नहीं है। उन्होंने एक नई श्रेणी भी बनाई, जिसमें इसे बौने ग्रह का नाम देकर डाल दिया गया। तब से प्लूटो को बौना ग्रह कहा जाता है। तुम सोच रहे होगे कि जब यह ग्रह था तो इसे बौने ग्रहों की श्रेणी में क्या डाला? 75 देशों के वैज्ञानिकों ने प्लूटो के बारे में हुए शोध के बाद यह तय किया कि प्लूटो में ग्रह कहलाने वाले गुण नहीं हैं। वैज्ञानिकों ने कहा कि ग्रह वह होता है, जो इतना बड़ा हो कि उसमें गुरुत्वाकर्षण बल पैदा करने की क्षमता हो। वह गोलाकार हो। सूर्य के चक्कर लगाता हो और उसकी कक्षा किसी अन्य ग्रह की कक्षा को काटती न हो। प्लूटो इन शर्तों को पूरा नहीं करता। वह तो बुध का आधा भी नहीं है। तुम जानते होगे कि अभी बुध अपने सौरमंडल का सबसे छोटा ग्रह है। प्लूटो सूर्य के चक्कर तो लगाता है, लेकिन कई बार सूर्य से काफी दूर भी चला जाता है और फिर रास्ते पर आ जाता है। वह कई बार नेपच्यून से भी करीब आ जाता है। तुम्हें तो पता ही है कि नेपच्यून अपने सौरमंडल का अंतिम ग्रह है, जो सूर्य से 8वें नम्बर पर है, इसलिए वैज्ञानिकों ने घोषणा

प्लूटो को जानो करीब से

प्लूटो का आकार हमारे चंद्रमा का एक तिहाई है। यानी हमारे चंद्रमा के तीसरे हिस्से के बराबर है प्लूटो। इसका व्यास लगभग 2,300 किलोमीटर है। अपनी पृथ्वी तो प्लूटो से लगभग 6 गुना बड़ी है। सूर्य से औसतन 6 अरब किलोमीटर दूर है यह प्लूटो। इस कारण इसे सूर्य का एक चक्कर लगाने में हमारे 248 साल के बराबर समय लग जाता है। यह नाइट्रोजन की बर्फ, पानी की बर्फ और पत्थरों से बना है। इसके वायुमंडल में नाइट्रोजन, मीथेन और कार्बन मोनोक्साइड गैसें हैं। इस कारण यहां का तापमान काफी कम रहता है। शून्य से 200 डिग्री सेल्सियस नीचे यानी -200 डिग्री सेल्सियस रहता है। इससे तुम अंदाजा लगा सकते हो कि यहां कितनी ठंड लगती होगी। इतने कम तापमान में कोई यहां नहीं रह सकता। यहां गैस वाले वातावरण के कारण प्लूटो के भी छल्ले दिखाई देते हैं और यहां का रंग भी बदलता रहता है। वैसे यहां का रंग काले, नारंगी और सफेद रंग का मिश्रण लगता है। प्लूटो की खोज 1930 में हुई थी। अमेरिकी खगोलशास्त्री क्लाइड डब्ल्यू टॉमबॉग ने इसकी खोज की थी। उस समय लगा कि प्लूटो ग्रह है और उसे 9वां ग्रह मान लिया गया। तुम्हें जानकर ताज्जुब होगा कि प्लूटो का नाम एक बच्चे ने रखा है। वैज्ञानिकों ने लोगों से पूछा था कि इस ग्रह का क्या नाम रखा जाए। ऑक्सफोर्ड स्कूल ऑफ लंदन में 11वीं में पढ़ने वाली एक छात्रा वेनेशिया बर्ने ने सुझाव दिया था कि इसका नाम प्लूटो रखा जाए। उस लड़की ने कहा कि रोम देश में अंधेरे के देवता को प्लूटो कहते हैं, इस नए ग्रह पर भी हमेशा अंधेरा रहता है, इसलिए इसका नाम प्लूटो रखा जाए। वैज्ञानिकों को यह बात अच्छी लगी और इसका नाम प्लूटो रख दिया गया। अब तो प्लूटो के चार चंद्रमा भी मिले हैं। हब्बल स्पेस टेलीस्कोप ने पिछले साल ही प्लूटो के चौथे चंद्रमा की खोज की है, जिसका नाम एस है। प्लूटो के बाकी तीन चंद्रमाओं के नाम शैरन, निक्स

विमान में रेस्टोरेंट और थियेटर...

विमान सिर्फ सफर करने के लिए नहीं है, बल्कि इसमें रेस्टोरेंट और थियेटर भी खुलने वाले हैं। इंडोनेशिया के एक व्यापारी ने कबाड़ में पड़े विमान को फिर से विकसित करने की योजना बनाई है। इस विमान में रेस्तरां खोला जाएगा, साथ ही लोग परिवार के साथ फिल्म भी देख सकते हैं। इसमें खाना खाने की और मूवी देखने की कीमत सामान्य से अधिक लगेगी। इसमें वेटर आदि एयरहोस्टेज की ड्रेस में होंगी और उसी तरह एनाउंसमेंट भी की जाएगी। बस फर्क ये होगा कि विमान उड़ान नहीं भरेगा।

09-MAY -25 Ek Sat Buletin Rai:09-MAY -25 Ek Sat Buletin Rai.qxd 09-May-25 4:15 AM Page 8

न्यूज ब्रीफ

11 को सरयू पारीण ब्राह्मण समाज की वार्षिक आमसभा सामाजिक पत्रिका ब्रह्म प्रकाश का होगा विमोचन

भिलाई। सरयू पारीण ब्राम्हण समाज भिलाई-दुर्ग की बैठक आयोजित हुई। बैठक की अध्यक्षता महासचिव रामलखन मिश्र ने किया। बैठक में उन्होंने बताया कि हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी समाज की वार्षिक आमसभा एवं सामाजिक पत्रिका ब्रह्म प्रकाश का विमोचन 11 मई दिन रविवार को विवेकानंद भवन स्मृति नगर में आयोजित किया जाएगा। सुबह 10.30 बजे वार्षिक आमसभा होगी और दोपहर 2.30 बजे समाज की पत्रिका ब्रह्म प्रकाश का विमोचन किया जाएगा। जिसमें मुख्य अतिथि पूर्व विधानसभा अध्यक्ष प्रेम प्रकाश पाण्डेय होंगे। विशेष अतिथि स्मृति नगर गृह निर्माण समिति के अध्यक्ष राजीव चौबे एवं मुख्य वक्ता डॉक्टर विजय दुबे बेमेतरा होंगे। सम्माननीय अतिथि के रूप में सरयू पारीण ब्राम्हण समाज रायपुर डॉ सुरेश शुक्ला उपस्थित रहेंगे। बैठक में कार्यक्रम की रूपरेखा तय किया गया। पत्रिका प्रकाशन प्रभारी नागेंद्र पाण्डेय ने भी अपने विचार रखे। बैठक में विष्णु पाठक, चंद्र शेखर पाण्डेय, नागेंद्र पाण्डेय, कैलाश पाठक, महिला प्रकोष्ठ प्रभारी शशि प्रभा मिश्रा, नर्मदा प्रसाद मिश्र, जगत नारायण तिवारी, रामबिलास मिश्रा, राधा कृष्ण पांडे, सुनील मिश्र, दिनेश मिश्र, शंकर चरण पाण्डेय, संजय मिश्रा, दीपक मिश्रा सहित समस्त पदाधिकारी उपस्थित थे।

पश्चिम बंगाल में पांचवां स्थान प्राप्त कर बीएसपी कर्मचारी की पुत्री सोनाक्षी दास ने रचा शैक्षणिक कीर्तिमान

भिलाई । भारतीय विद्यालय प्रमाणपत्र आईएससी) परीक्षा 2025 में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के मुख्य महाप्रबंधक आरईडी प्रोसेनजीत दास तथा श्रीमती इरा दास की सुपुत्री कु. सोनाक्षी दास ने 12वीं बोर्ड परीक्षा में 99 प्रतिशत अंक अर्जित कर पश्चिम बंगाल राज्य में पांचवां स्थान प्राप्त किया है। श्रीमती इरा दास बर्णपुर रिवरसाइड स्कूल में अध्यापिका हैं। उनकी इस शैक्षणिक उपलब्धी पर भिलाई इस्पात संयंत्र सामूहिक ने उन्हें बधाई प्रेषित करते हुए उत्तम भविष्य कि कामना की है।लोरेटो कॉन्वेंट स्कूल, आसनसोल की छात्रा रही सोनाक्षी ने अपने समग्र प्रदर्शन में गणित को छोडक़र सभी विषयों में 99 अंक प्राप्त किए, जबकि गणित में उन्हें 97 अंक प्राप्त हुए। यह उल्लेखनीय है कि इससे पूर्व वर्ष 2023 में भी उन्होंने आईसीएसई कक्षा 10वीं परीक्षा में 99 प्रतिशत अंक अर्जित कर राज्य में पांचवां स्थान प्राप्त किया था। इन दोनों अवसरों पर उनके इस उत्कृष्ट प्रदर्शन को पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री द्वारा सराहा गया। आईएससी परीक्षा 2025 के परिणामों की घोषणा के पश्चात पश्चिम बंगाल शिक्षा विभाग के अधिकारियों द्वारा उन्हें औपचारिक प्रशंसा प्रमाणपत्र प्रदान किया गया।

सीएम विष्णुदेव साय सूरजपुर रवाना, बोले - सुशासन तिहार में जनता से मिल रही पीएम आवास की सबसे अधिक मांग

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय हेलीपैड से सूरजपुर के लिए रवाना हुए। रवाना होने से पहले पत्रकारों से चर्चा करते हुए मुख्यमंत्री ने बताया कि सुशासन तिहार 2025 के तीसरे चरण का आज चौथा दिन है। इस दौरान जनचौपाल के माध्यम से जनता से सीधा संवाद किया जा रहा है और उनकी समस्याओं का मौके पर ही समाधान किया जा रहा है। मुख्यमंत्री साय ने बताया कि सुशासन तिहार के दौरान प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तहत घर की मांग सबसे अधिक सामने आ रही है। इस मांग को देखते हुए आगामी 13 मई को केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान छत्तीसगढ़ के दौरे पर आएंगे। वे सूरजपुर जिले के अंबिकापुर में एक बड़ी आमसभा को संबोधित करेंगे और प्रदेश को साढ़े तीन लाख पीएम आवास की सौगात देंगे। मुख्यमंत्री ने बताया कि आवास के अलावा गैस कनेक्शन सहित अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं की भी मांग आ रही है, जिनका समाधान सुशासन तिहार के माध्यम से किया जा रहा है।

बाड़ी में घुसे दंतैल ने टॉर्च की रोशनी देख दौड़ाया ग्रामीण-घायल

कोरबा । कोरबा जिलान्तर्गत वनमंडल कटघोरा के पसान रेंज में तीसरे दिन दंतैल हाथी ने ग्राम बीजाडाड़ पहुंचकर उत्पात मचाया। रात्रि बाड़ी में घुसे हाथियों को ग्रामीण ने जब टॉर्च दिखाई तो हाथी उसे दौड़ाने लगा। भागते समय गिरकर ग्रामीण घायल हो गया। उसे पसान के स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया है। यह तो अच्छा हुआ कि ग्रामीण हाथी की चपेट में आने से बच गया। उसके परिजन भी शोर मचाने लगे। इसके बाद ग्रामीणों ने मिलकर हाथियों को जंगल की ओर खदेड़ा। हाथी इस गांव में तीन दिनों से आ रहे हैं। अब तक 3 ग्रामीणों के मकान को भी तोड़ चुके हैं। रात में ही ग्रामीण को एंबुलेंस से स्वास्थ्य केंद्र भेजा। वन विभाग ने 500 रुपए की तात्कालिक सहायता राशि दी है।

नहीं मिल पाए 13.22 करोड़ रुपए

जिला खनिज न्यास मद से बन रहे 32 विद्यालयो के भवन 2 साल से अधूरे

संवाददाता ➤ कोरबा

कोरबा जिले के आत्मानंद विद्यालयो की मरम्मत, हॉल, टॉयलेट, कंप्यूटर रूम, लैब कक्ष का निर्माण 2 साल से अधूरा है। आदिवासी विकास विभाग ने 2 साल पहले 13 करोड़ 22 लाख 85 हजार की निविदा जारी की थी। प्रशासन ने फंड मिलने की प्रत्याशा में डीएमएफ से पहली किस्त 40 प्रतिशत राशि जारी की थी पर सीएसआर का फंड ही नहीं मिला। इसमें कटघोरा विद्यालय की मरम्मत के काम को निरस्त कर दिया। भवन की हालत जर्जर हो गई है। बाकी स्थानों पर भी भवन का काम अधूरा है।

आदिवासी विकास विभाग के साथ आरईएस व पंचायतों को स्वामी आत्मानंद स्कूलों में संसाधन बढ़ाने जिला खनिज न्यास और सीएसआर से मंजूरी दी थी। राशि मिलने के प्रत्याशा में प्रशासन ने डीएमएफ से 40 प्रतिशत राशि जारी कर दी थी। आदिवासी विकास विभाग को नगरीय निकाय क्षेत्रों के विद्यालयो का काम दिया है। विभाग ने अप्रैल-2023 में 32 कार्यों के लिए 13 करोड़ 22 लाख का टेंडर जारी किया था। भवन निर्माण के लिए 42.81 लाख, हॉल के लिए 45.90 लाख, मरम्मत के लिए 44.92 लाख तय थे। पहली किस्त 15 से 19 लाख जारी की।

निविदा पश्चात ठेकेदारों ने काम शुरू किया। जब दूसरी किस्त की बारी आई तो विभाग ने फंड नहीं होना बताया। तब कोरबा जिला कलेक्टर अजीत वसंत

का कहना है कि विद्यालय भवनों के अधूरे कामों को जिला खनिज न्यास मद से कराया जाएगा। सीएसआर की राशि नहीं मिल पाई। इसकी एक अलग प्रक्रिया होती है। उस समय राशि क्यों नहीं मिली, यह अलग बात है। छात्र-छात्राओं को सुविधा मिले, इसके लिए भवनों का निर्माण भी करा रहे हैं।

कोरबा जिले के आत्मानंद स्कूल, गवर्नमेंट हायर सेकेंडरी स्कूल दादरखुर्द, सीतामणी, कोहड़िया, गर्ल्स साडा, रूमगरा, पोड़ीबहार, गवर्नमेंट हायर सेकेंडरी ब्वॉयज कटघोरा, दर्री, अयोध्यापुरी, गोपालपुर, जमनीपाली, कुसमुंडा, आत्मानंद मिडिल स्कूल दीपका और गवर्नमेंट हायर सेकेंडरी स्कूल दुरपा के स्कूलों में कई काम अधूरे पड़े हैं। इन स्कूलों में हॉल, टॉयलेट, लैब, भवन का निर्माण चल रहा है।

**** डीएमएफ से अधूरे कामों को कराएंगे पूरा : कलेक्टर अजीत वसंत***

निर्माण कार्य शुरू करते समय पहली किस्त के रूप में ठेकेदारों को 40 प्रतिशत की राशि जारी की थी। 40 लाख का काम होने पर 16 लाख राशि जारी की थी। इसी से ही ठेकेदारों ने काम कराया, लेकिन दूसरी किस्त जारी नहीं होने पर काम बंद कर दिया। ठेकेदारों ने बताया कि यह राशि सीएसआर से मिलने की प्रत्याशा में डीएमएफ से जारी की गई थी। इसके कारण यह समस्या आ रही है। अभी काम करने वाले ठेकेदार भी परेशान हैं।

कलेक्टोरेट कार्यालय में प्रशासनिक कसावट के लिए कर्मचारियों का किया गया शाखा परिवर्तन

संवाददाता ➤ कोरबा

कोरबा जिले में प्रशासनिक कार्यों को अधिक सुव्यवस्थित एवं प्रभावी बनाने के उद्देश्य से कलेक्टर अजीत वसंत ने कलेक्ट्रेट कार्यालय के लिपिकीय वर्ग के कर्मचारियों की शाखाओं में परिवर्तन किया है।

यह निर्णय कार्यालयीन कार्यों में कसावट लाने, दक्षता बढ़ाने तथा कर्मचारियों के अनुभव का बेहतर उपयोग करने के दृष्टिकोण से लिया गया है। कलेक्टर ने स्पष्ट किया कि विभिन्न शाखाओं में पदस्थापना में बदलाव से कार्य का बंटवारा अधिक संतुलित होगा, जिससे प्रशासनिक कार्यों के निष्पादन में गति और पारदर्शिता सुनिश्चित की जा सकेगी। शाखा परिवर्तन की यह प्रक्रिया निर्धारित सेवा मानकों, वरिष्ठता एवं प्रशासनिक आवश्यकताओं के आधार पर की गई है। साथ ही यह सुनिश्चित किया गया है कि कर्मचारियों को उनके अनुभव एवं दक्षता के अनुरूप जिम्मेदारियां सौंपी जाएं।

कलेक्टर अजीत वसंत ने बताया कि कार्यालयीन प्रणाली को अधिक सुचारू बनाने हेतु यह आंतरिक पुनर्गठन एक नियमित प्रक्रिया है। इससे कार्य प्रणाली में पारदर्शिता और उत्तरदायित्व दोनों ही सुनिश्चित होंगे।

शिक्षा विभाग में लंबे समय से अनुपस्थित 13 शिक्षक एवं कर्मचारियों पर की गई कार्यवाही

संवाददाता ➤ कोरबा

छत्तीसगढ़ शासन सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा जारी निर्देशों के तहत लंबे समय से बिना सूचना अनुपस्थित कर्मचारियों-अधिकारियों के विरुद्ध सख्त अनुशासनात्मक कार्यवाही की गई है। जिला कोरबा में विभागीय जांच उपरांत कुल 07 कर्मचारियों को जिला शिक्षा अधिकारी के द्वारा सेवा से पदच्युत किया गया है। ये सभी विभिन्न विकासखंडों के स्कूलों एवं कार्यालयों में कार्यरत थे।

इसके साथ ही कलेक्टर कोरबा की अनुशंसा अनुसार 06 प्रकरणों में कार्यवाही हेतु उच्च कार्यालयों को भेजा गया है। इनमें तीन प्रकरण संयुक्त संचालक, शिक्षा संभाग बिलासपुर, दो लोक शिक्षण संचालनालय, नया रायपुर तथा एक जनपद पंचायत कोरबा को प्रेषित किए गए हैं। दो प्रकरणों में जांच लंबित है। जिसमे एक लापता शिक्षक और एक चिकित्सकीय प्रमाण पत्र प्रस्तुत करने वाले कर्मचारी के संबंध में हैं।

कलेक्टर श्री वसंत ने कहा कि अनुशासनहीनता को किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। यह कार्यवाही सभी अधिकारियों-कर्मचारियों के लिए चेतावनी और व्यवस्था को पारदर्शी बनाए रखने की दिशा में उठाया गया कदम है। छत्तीसगढ़ शासन, सामान्य प्रशासन विभाग (नियम शाखा) द्वारा दिनांक 14.05.2024 को जारी परिपत्र क्र. एफ 3-1/2024/1-3 के तहत लम्बे समय से अनुपस्थित अधिकारियों/कर्मचारियों के विरुद्ध विभागीय जांच उपरांत अनुशासनात्मक कार्यवाही के निर्देश जारी किए गए थे।

उक्त निर्देशों के पालन में, जिला कोरबा के विकासखंड शिक्षा अधिकारियों से प्राप्त रिपोर्ट के आधार पर अनुपस्थित पाए गए अधिकारियों/कर्मचारियों को कारण बताओ सूचना पत्र जारी कर विभागीय जांच संस्थित की गई थी। जांच उपरांत प्राप्त रिपोर्ट और कलेक्टर अजीत वसंत के अनुमोदन के पश्चात इन अधिकारियों/कर्मचारियों को सेवा से पदच्युत किया गया।

रिसाली महापौर ने केयर टेकर को लगाई फटकार, कहा सुबह पांच बजे खोले शौचालय-

भिलाई। महापौर शशि सिन्हा ने सार्वजनिक शौचालय के केयर टेकर को जमकर फटकार लगाई। दरअसल उसके खिलाफ एच.एस.सी.एल. कालोनी मरोदा के नागरिकों ने शिकायत की है। नागरिकों का कहना था कि सुबह शौचालय समय पर नहीं खुलता। महापौर ने शिकायत को गंभीरता से ली। उन्होंने बिना देरी किए मौके पर ही केयर टेकर को तलब कर सुबह 5 बजे तक हर हाल में सार्वजनिक शौचालय खोलने निर्देश दी। महापौर ने जन स्वास्थ्य विभाग को भी निर्देश दी कि शौचालय खुलने के समय को निर्धारित कर ठेकेदार को नोटिस देकर अवगत कराए। महापौर के वार्ड निरीक्षण में एम.आई.सी. अनिल देशमुख, पार्षद रेखा देवी, विनय नेताम, प्रभारी उप अभियंता गोपाल सिन्हा, जन स्वास्थ्य विभाग के प्रभारी अधिकारी बृजेन्द्र परिहार एवं नागरिक गण उपस्थित थे।वार्ड 18 भ्रमण के दौरान महापौर ने नहर किनारे हुए सौन्दर्यीकरण को भी देखा। यहां पर निगम ने पेवर ब्रील, गेट व अन्य सामान रखना शुरू कर दिया है।

जिले के मेधावी विद्यार्थियों से मिले जिलाधीश

* छात्रों को टेबलेट देकर किया सम्मानित

संवाददाता ➤ कोरबा

हाई स्कूल बोर्ड परीक्षा 10वी में टॉप टेन में स्थान प्राप्त करने वाले जिले के मेधावी विद्यार्थियों से कोरबा जिला कलेक्टर अजीत वसंत मिले। कलेक्टर ने आस्था, डिंपल और निखिल को पुष्प गुच्छ और टेबलेट देकर सम्मानित किया। कलेक्टर ने विद्यार्थियों के श्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए उन्हें बधाई दी। उन्होंने विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने और उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी।

इस अवसर पर जिला शिक्षा अधिकारी टी.पी. उपाध्याय, सहायक आयुक्त श्रीकांत कसेर, विद्यार्थियों के अभिभावक, शिक्षक आदि उपस्थित थे।

पानी की समस्या का समाधान करने सिंटेक्स टंकी लगाने दिए निर्देश

महापौर मधुसूदन यादव चिखली व शंकरपुर में वासियों से हुए रूबरू

चिखली स्कूल मैदान में खिलाडियो को किया हॉकी वितरण

संवाददाता ➤ राजनांदगांव

महापौर मधुसूदन यादव आज सुबह वार्ड नं. 5 व 9 में जल विभाग के प्रभारी सदस्य सुनील साहू तथा वार्ड पार्षद मती श्रुति लोकेश जैन एवं मती अपूर्वा समीर वास्तव के साथ चिखली एवं शंकरपुर वासियों से रूबरू हो उनकी समस्यो से अवगत हुए। उन्होंने पानी की समस्या के संबंध में चर्चा कर समस्याग्रस्त क्षेत्र में सिंटेक्स टंकी लगाने के निर्देश दिए। इस अवसर उन्होंने चिखली स्कूल मैदान में खिलाडियो से मुलाकात कर उन्हें हॉकी वितरित किए। महापौर यादव चिखली वार्ड में भ्रमण कर वार्डवासियो से

रूबरू हुए, साई मंदिर गली, केवट पारा के लोगो ने पानी नही आने की शिकायत की। उन्होंने कहा कि गर्मी में कम प्रेशर के कारण पानी की समस्या आ रही है, इस क्षेत्र में सिंटेक्स टंकी लगाया जायेगा, जिसमें नल लगाकर पानी सप्लाई की जावेगी तथा टंकी को टैंकर के माध्यम से भरा जायेगा। उन्होंने वार्डवासियो से कहा कि पानी की समस्या को ध्यान में रखकर आवश्यकता अनुसार ही पानी का उपयोग करे, पानी का अपव्यय न करे। इसी प्रकार महापौर यादव शंकरपुर के विभिन्न गलियो में घुमकर पानी, सफाई आदि की जानकारी लिए। शंकरपुर गौरव चौक के बोर में सिंटेक्स टंकी लगाने की मांग पर टंकी लगाने संबंधित अधिकारी को निर्देशित किये। उन्होंने कहा कि टंकी लगने पर उसका देखरेख आप लोगो को ही करना है, क्योकि कई बार नल तोडने, खुला छोडने संबंधी शिकायत प्राप्त होती है, उसकी सुरक्षा का आप लोगो को ही ध्यान रखना है। बेलेकर गली में नाली का पानी जमा होने की शिकायत पर उसका निराकरण करने कहा तथा सरकारी कुँआ के पास मुक्तिधाम रोड में नाली बनाने की मांग पर प्रक्रिया करने अधिकारी को निर्देशित किये। निरीक्षण के दौरान महापौर यादव चिखली स्कूल मैदान मे खिलाडियो से मुलाकात कर उनसे खेल संबंधी चर्चा किये। चिखली के अलावा आस पास क्षेत्र के बच्चो को मैदान में खेलते देख, उन्होंने कहा कि यह बहुत खुशी की बात है, कि इतनी बडी तादात में बच्चे रोज खेलने आते है, आज कल मोबाईल के कारण खेल के प्रति बच्चो का रूझान कम हो गया है। इसके अलावा हॉकी के नाम से पहचान रखने वाले हमारे शहर में हॉकी खिलाडी कम हो गये है, इसके बावजूद बच्चे उत्साह से हॉकी खेल रहे है, यह गर्व का विषय है। खेल का प्रदर्शन कर शहर का नाम रोशन करने कहा।

एक सत प्रयास जनकल्याण समिति के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक **अभिषेक शर्मा** द्वारा 202, भाटागांव चौराहा , रायपुर (छत्तीसगढ़) पिन 492015 से प्रकाशित एवं आसमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड , गॉस मेमोरियल हाल के पास , जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित।
संपादक - रिज़वान आज़म, **समूह संपादक**- महेश कुमार तिवारी ईमेल - eksatbulletin@gmail.com R.N.I Number - CHHHIN/2020/78457 पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार ।